संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
शनिवार
10 जनवरी, 2026
वर्ष:24 अंक: 198
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

पंजाब मंत्रिमंडल द्वारा लहरागागा में मेडिकल कॉलेज, डिजिटल ओपन यूनिवर्सिटी नीति और अन्य जनहितैषी फैसलों को हरी झंडी

लहरागागा में 220 बैड की क्षमता और 50 एमबीबीएस सीटों वाला मेडिकल कॉलेज स्थापित होगा, आठ वर्षों में कॉलेज का विस्तार कर 400 बैड और 100 सीटें होंगी

- **उच्च शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए मंत्रिमंडल द्वारा देश की पहली व्यापक प्राइवेट डिजिटल ओपन यूनिवर्सिटीज़ नीति-2026 को मंजूरी**
- **एमनेस्टी नीति-2025 में विस्तार को मंजूरी, अलॉटियों को 31 मार्च 2026 तक मिला मौका**
- **गमाडा की संपत्तियों की कीमतों को तर्कसंगत बनाने की मंजूरी**

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। जन स्वास्थ्य देखभाल को मजबूत करने, उच्च शिक्षा के आधुनिकीकरण और नागरिकों को राहत प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई में पंजाब मंत्रिमंडल ने आज लहरागागा में मेडिकल कॉलेज और अस्पताल स्थापित करने के लिए 19 एकड़ से अधिक भूमि देने की मंजूरी दे दी तथा कई अन्य बड़े फैसलों को स्वीकृति प्रदान की।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए फैसलों में भारत की पहली व्यापक प्राइवेट डिजिटल ओपन यूनिवर्सिटी नीति-2026, प्लॉट अलॉटियों के लिए एमनेस्टी नीति-2025 में विस्तार, गमाडा की संपत्ति कीमतों को तर्कसंगत बनाना और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए सतलुज दरिया से रेत निकालने की मंजूरी के साथ-साथ बाबा हीरा सिंह भट्ठल इंस्टीट्यूट के स्टाफ को सरकारी विभागों में भेजने की स्वीकृति शामिल है, जो स्वास्थ्य देखभाल के विस्तार, शिक्षा सुधार, बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने और जनहितैषी शासन पर सरकार के प्रयासों को दर्शाते हैं।

- लहरागागा में मेडिकल कॉलेज की स्थापना को मंजूरी

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि कैबिनेट ने जैन समुदाय द्वारा अल्पसंख्यक मेडिकल कॉलेज (माइनोरिटी मेडिकल कॉलेज) स्थापित करने के लिए बाबा हीरा सिंह भट्ठल टेक्निकल कॉलेज, लहरागागा में स्थित 19 एकड़ 4 कनाल भूमि को नाममात्र लीज दरों पर जैन सोसाइटी को देने का फैसला किया है। जैन समुदाय द्वारा स्थापित किए जाने वाले इस मेडिकल कॉलेज में छात्रों का दाखिला और सीटों का बंटवारा राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों/अधिसूचनाओं की शर्तों का सख्ती से पालन किया जाएगा। सभी श्रेणियों की सीटों के लिए फीस संरचना राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों/अधिसूचनाओं के अनुसार ही ली जाएगी।

मंत्रिमंडल ने यह भी फैसला किया कि ट्रस्ट को समझौता पत्र (एमओयू) के लागू/शुरू होने की तिथि से पांच वर्षों के अंदर-अंदर अस्पताल का कार्य जल्द से जल्द शुरू करना होगा। मेडिकल कॉलेज की स्थापना और संचालन कम से कम 220 बिस्तरों वाले अस्पताल और 50 एमबीबीएस सीटों की दाखिला क्षमता के साथ किया जाएगा तथा इस एमओयू के आठ वर्षों के अंदर 100 एमबीबीएस सीटों की दाखिला क्षमता के साथ कम से कम 400 बिस्तरों वाले अस्पताल का विस्तार किया जाना चाहिए। इस कदम का उद्देश्य एक ओर राज्य के निवासियों को मानक शिक्षा प्रदान करना है और दूसरी ओर पंजाब को मेडिकल शिक्षा के केंद्र के रूप में उभारना है।

- पंजाब प्राइवेट डिजिटल ओपन यूनिवर्सिटीज़ नीति, 2026 को मंजूरी

एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में मंत्रिमंडल ने पंजाब प्राइवेट डिजिटल ओपन यूनिवर्सिटीज़ नीति, 2026 को भी मंजूरी दे दी है, जिसका उद्देश्य ऑनलाइन और ओपन डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) कार्यक्रमों की पेशकश करने वाली प्राइवेट डिजिटल ओपन यूनिवर्सिटीज़ को नियंत्रित और प्रोत्साहित करना है, ताकि राज्य के छात्रों को उच्च-मानक उच्च शिक्षा प्रदान की जा सके और उनके लिए रोजगार के अधिकतम अवसर खुल सकें। यह नीति यूजीसी नियमों, 2020 के अनुसार गुणवत्ता, पहुंच, डिजिटल बुनियादी ढांचा, डेटा गवर्नेंस और छात्रों की सुरक्षा के लिए राज्य-स्तरीय मानदंड प्रस्तुत करती है। यह नीति उच्च शिक्षा का विस्तार कर इसे अधिक पहुंचयोग्य और किफायती बनाएगी तथा पंजाब को एक डिजिटल शिक्षा केंद्र के रूप में स्थापित करेगी।

उच्च शिक्षा क्षेत्र में देश भर में अपनी तरह के इस पहले ऐतिहासिक सुधार के माध्यम से पंजाब सरकार ने एक नई डिजिटल ओपन यूनिवर्सिटी नीति प्रस्तुत की है। इस नीति के तहत निजी संस्थाएं पंजाब में पूरी तरह डिजिटल यूनिवर्सिटयां स्थापित कर सकती हैं। यह भारत की पहली ऐसी नीति है और अब तक केवल त्रिपुरा ने, किसी व्यापक नीति के बिना, एक डिजिटल यूनिवर्सिटी स्थापित की है। इसलिए पंजाब इस क्षेत्र में नीति और मॉडल प्रस्तुत करने वाला पहला राज्य बन गया है।

यह नीति समय की आवश्यकता थी क्योंकि विश्व भर में करोड़ों छात्र ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से शिक्षा ले रहे हैं। इसी तरह लाखों छात्र मुफ्त ऑनलाइन लेक्चर्स देखकर जेईई, नीट और यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षाएं पास कर रहे हैं। भारत में भी करोड़ों युवा ऑनलाइन कोर्स और एआई ऐप्स से पढ़-लिखकर अपना करियर बना रहे हैं। पहले लागू यूनिवर्सिटी नीति केवल फिजिकल कैंपस की ही अनुमति देती थी।

इसका मतलब था कि डिजिटल यूनिवर्सिटीयां भारत में कानूनी रूप से संभव नहीं थीं, जिसके परिणामस्वरूप छात्रों ने कॉलेजों से केवल औपचारिक रूप से डिग्रियां प्राप्त कीं लेकिन वास्तविक कौशल प्रशिक्षण ऑनलाइन हासिल किया, जिससे एक बड़ा अंतर पैदा हो गया और नई नीति इसी अंतर को भरती है। अब छात्र अपनी पूरी डिग्री घर बैठे मोबाइल या लैपटॉप पर पूरी कर सकते हैं और ये डिग्रियां कानूनी रूप से वैध तथा एआईसीटीई/यूजीसी मानकों के अनुरूप होंगी। यह कदम जीवन, परिवार या नौकरियों में व्यस्त छात्रों या पेशेवरों के लिए वरदान साबित होगा क्योंकि वे नौकरियां छोड़े बिना, शहर बदलें बिना और यहां तक कि क्लासरूम में जाए बिना ही डिग्रियां प्राप्त कर सकेंगे।

इस तरह एक नए युग की शुरुआत होगी, जिसमें हर व्यक्ति जीवन भर कभी भी कुछ भी सीख सकेगा और अपने हुनर को निखार सकेगा, जो आईटी, एआई, व्यापार, स्वास्थ्य देखभाल, निर्माण और डेटा साइंस जैसे क्षेत्रों में निरंतर सीखते रहने के संस्कृति को मजबूती देगा।

मोटी-मोटी बातें

भारत ने लुटनिक के दावे को बताया गलत, व्यापार समझौते पर दी सफाई

नई दिल्ली- भारत ने शुक्रवार को अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक की इस टिप्पणी को गलत बताया कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता इसलिए सफल नहीं हो सका क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात नहीं की।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत और अमेरिका ने समझौते पर कई दौर की बातचीत की। नई दिल्ली इसे अंतिम रूप देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमने टिप्पणियों को देखा है। भारत और अमेरिका पिछले साल 13 फरवरी को भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत करने के लिए प्रतिबद्ध थे। जायसवाल ने कहा कि तब से दोनों पक्षों ने संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते पर पहुंचने के लिए कई दौर की बातचीत की है।

उन्होंने अपनी साप्ताहिक प्रेसवार्ता में कहा कि कई मौकों पर हम समझौते के बेहद करीब पहुंच गए थे। संबंधित टिप्पणियों में इन चर्चाओं का जो वर्णन किया गया है, वह सटीक नहीं है। वह लटनिक की टिप्पणियों पर पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे।

हम दो पूरक अर्थव्यवस्थाओं के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते में रुचि रखते हैं और इसे पूरा करने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि संयोगवश, प्रधानमंत्री (मोदी) और राष्ट्रपति ट्रंप ने 2025 के दौरान आठ बार फोन पर बातचीत की, जिसमें हमारी व्यापक साझेदारी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई।

टैरिफ पर फिर दिखाई सख्ती, वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड बोले - पीएम मोदी के फोन न करने से अटकी भारत-अमेरिका डील

न्यूयॉर्क: अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने कहा कि भारत के साथ व्यापार समझौता इसलिए नहीं हो पाया क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन नहीं किया।

लुटनिक ने यह बयान ऐसे समय में दिया है जब हाल ही में ट्रंप ने कहा था कि मोदी जानते थे कि वह भारत के रूसी तेल खरीदने से नाखुश हैं और अमेरिका कभी भी भारत पर शुल्क बढ़ा सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह बयान दोनों देश के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत के दौरान दिया। व्यापार समझौते पर अब तक छह दौर की बातचीत हो चुकी है।

इस समझौते में अमेरिका में प्रवेश करने वाले भारतीय सामानों पर लगने वाले 50 प्रतिशत शुल्क के समाधान के लिए एक ढांचागत समझौता शामिल है। लुटनिक ने वीरवार को एक 'पॉडकास्ट' में कहा कि उन्होंने मोदी से राष्ट्रपति को फोन करके समझौते को अंतिम रूप देने का अनुरोध किया था।

हालांकि, भारत ऐसा करने में असहज महसूस कर रहा था इसलिए मोदी ने फोन नहीं किया। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि अमेरिका ने इंडोनेशिया, फिलीपीन और वियतनाम के साथ व्यापार समझौते किए हैं लेकिन उन्हें उम्मीद थी कि भारत के साथ व्यापार समझौता इन देशों से पहले हो जाएगा। उन्होंने कहा कि... हमने इंडोनेशिया, फिलीपीन और वियतनाम के साथ कई समझौते किए और उनकी घोषणा भी कर दी। ये सभी समझौते इसलिए ऊंची दरों पर किए गए क्योंकि बातचीत के दौरान यह मान लिया गया था कि भारत पहले ही प्रक्रिया पूरी कर लेगा... लेकिन ऐसा नहीं हुआ। नतीजतन, जिन देशों के साथ पहले समझौते हुए, वे महंगे या ऊंची दर पर तय हुए। फिर बाद में जब भारत ने संपर्क (फोन) किया और कहा कि ठीक है, हम तैयार हैं तो मैंने उनसे कहा कि किस बात के लिए तैयार हैं?

'कांतारा' और 'तन्वी द ग्रेट' समेत चार भारतीय फिल्में सर्वश्रेष्ठ फिल्म की दौड़ में

लॉस एंजिलिस: 'एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज' ने घोषणा की कि कन्नड़ ब्लॉकबस्टर 'कांतारा: ए लीजेंड- चैप्टर 1' और हिंदी फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' सहित चार भारतीय फिल्में ऑस्कर 2026 की सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार की दौड़ में शामिल है।

इस श्रेणी में कुल 201 फिल्मों के बीच मुकाबला है। अकादमी ने बृहस्पतिवार को "98वें पुरस्कारों के लिए पात्र फिल्मों की प्रारंभिक सूची" जारी की। यह सूची सर्वश्रेष्ठ फिल्म समेत सामान्य श्रेणियों में विचार के लिए पात्र फिल्मों की है और नामांकन की घोषणा से पहले का चरण है। नामांकन की घोषणा 22 जनवरी को की जाएगी।

ऋषभ शेट्टी अभिनीत 'कांतारा' और अनुपम खेर के निर्देशन में बनी 'तन्वी द ग्रेट' के अलावा सूची में शामिल अन्य भारतीय फिल्मों में बहुभाषी एनिमेटेड फिल्म 'महावतार नरसिम्हा' और अभिशान जीवित की तमिल फिल्म 'टूरिस्ट फैमिली' शामिल हैं।

इसके अलावा, ब्रिटेन और भारत के सहयोग से निर्मित राधिका आप्टे अभिनीत हिंदी भाषी फिल्म 'सिस्टर मिडनाइट' भी इस सूची में जगह बनाने में सफल रही है। एकेडमी के अनुसार, कुल 317 फिल्में 98वें अकादमी पुरस्कारों के लिए पात्र हैं, जिनमें से 201 फिल्में सर्वश्रेष्ठ फिल्म श्रेणी में विचार के लिए आवश्यक अतिरिक्त पात्रता मानदंडों को पूरा करती हैं।

हालांकि, प्रारंभिक सूची में शामिल होना नामांकन की गारंटी नहीं है और फिल्मों को अभी अकादमी की मतदान प्रक्रिया से गुजरना होगा। सामान्य श्रेणियों में पात्रता के लिए फिल्मों का एक जनवरी से 31 दिसंबर 2025 के बीच अमेरिका के छह महानगरीय क्षेत्रों लॉस एंजिल्स काउंटी, न्यूयॉर्क सिटी, बे एरिया, शिकागो, डलास-फोर्ट वर्थ और अटलांटा में से किसी एक में सिनेमाघर में प्रदर्शित होना जरूरी है।

साथ ही, उन्हें उसी सिनेमाघर में लगातार कम से कम सात दिन तक दिखाया जाना चाहिए। इस बार के ऑस्कर समारोह में 15 मार्च को कुल 24 श्रेणियों में पुरस्कार दिए जाएंगे। सर्वश्रेष्ठ फिल्म को छोड़कर हर श्रेणी में पांच नामांकन होंगे, जबकि सर्वश्रेष्ठ फिल्म श्रेणी में 10 नामांकन होंगे।

दिल्ली में TMC सांसदों का प्रदर्शन, अमित शाह के कार्यालय के बाहर डेरेक ओ'ब्रायन और महुआ मोइत्रा हिरासत में

नयी दिल्ली: तृणमूल कांग्रेस (TMC) के सांसदों ने शुक्रवार को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान TMC सांसद डेरेक ओ'ब्रायन और महुआ मोइत्रा को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। प्रदर्शन के जरिए पार्टी ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) की हालिया छापेमारी और केंद्रीय एजेंसियों के कथित दुरुपयोग के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर की।

हिरासत में लिए जाने के बाद TMC सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा, "हम भाजपा को हराएंगे। देश देख रहा है कि दिल्ली पुलिस एक चुने हुए सांसद के साथ कैसा व्यवहार कर रही है।" वहीं, डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा, "आप देख रहे हैं कि यहां सांसदों के साथ क्या हो रहा है।"

TMC सांसद शताब्दी रॉय ने भी केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, "चुनाव आते ही इन्हें सब कुछ याद आ जाता है। जीतने के लिए चुनाव के समय ED और CBI की टीमें भेजी जाती हैं, लेकिन वे चुनाव नहीं जीतेंगे।"

दरअसल, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और TMC सुप्रीमो ममता बनर्जी ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा राजनीतिक परामर्श कंपनी आई-पैक (I-PAC) के कोलकाता स्थित कार्यालय और उसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर की गई छापेमारी के खिलाफ विरोध रैली निकालने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री

ने दावा किया कि केंद्रीय एजेंसियों की इस तरह की कार्रवाइयां चुनाव से पहले राजनीतिक रूप से प्रेरित होती हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव इस साल अप्रैल-मई में होने की संभावना है।

बृहस्पतिवार को गंगासागर मेले के लिए बाबूघाट में बनाए गए ट्रांजिट कैंप के उद्घाटन के दौरान ममता बनर्जी ने कहा, "अगर वे एसआईआर (मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण) को लेकर हम पर हमला करते हैं, मेरे खिलाफ झूठा मामला बनाते हैं या हमारे दस्तावेज चुराने की कोशिश करते हैं, तो क्या मुझे इसका विरोध नहीं करना चाहिए?"

उन्होंने आरोप लगाया कि ED की छापेमारी में "सारा डेटा और एसआईआर सूची" ले ली गई है और ऐसी गतिविधियां हमेशा चुनाव से पहले होती हैं।

ईरान में आर्थिक संकट के कारण उग्र प्रदर्शन, इंटरनेट और दूरसंचार ठप

दुबई: ईरान के निर्वासित युवराज के आह्वान पर तेहरान और देश के अन्य हिस्सों में प्रदर्शनकारियों के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के बाद बृहस्पतिवार रात को देश में इंटरनेट और टेलीफोन लाइन काट दी गईं।

इंटरनेट कंपनी 'क्लाउडफ्लेयर' और एक अन्य कंपनी 'नेटब्लॉक्स' ने इंटरनेट संपर्क टूटने की बात कही और दोनों ने इसके लिए ईरान सरकार के हस्तक्षेप का दावा किया। दुबई से ईरान में लैंडलाइन और मोबाइल फोन पर संपर्क का प्रयास किया गया लेकिन फोन कॉल नहीं लगी। आर्थिक संकट के कारण ईरान में शुरू हुए विरोध प्रदर्शन अब पूरे देश में फैल गए हैं।

आर्थिक संकट के कारण ईरान में शुरू हुए विरोध प्रदर्शन अब पूरे देश में फैल गए हैं। यह जानकारी कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को दी। बुधवार को प्रदर्शनों का सबसे तीव्र दौर देखने को मिला, जब विरोध प्रदर्शन हर प्रांत के ग्रामीण कस्बों और प्रमुख शहरों तक फैल गए।

हालांकि, ईरान की राजधानी तेहरान और अन्य जगहों पर दैनिक जीवन सुचारू रूप से चलता रहा। अमेरिका स्थित 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज़ एजेंसी' के अनुसार, प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में अब तक कम से कम 38 लोग मारे गए हैं, जबकि 2,200 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है।

विरोध प्रदर्शनों से ईरान की सरकार और उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई पर दबाव बढ़ गया है। इस बीच, विरोध प्रदर्शन काफी हद तक नेतृत्वहीन रहे हैं, हालांकि ईरान के निर्वासित युवराज द्वारा विरोध प्रदर्शन का आह्वान यह परखने का काम करेगा कि क्या प्रदर्शनकारी विदेश से आने वाले संदेशों से प्रभावित हो रहे हैं या नहीं।

हर वर्ग के कल्याण को समर्पित होगा हरियाणा का आम बजट - मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश का आगामी बजट हर नागरिक की खुशहाली और हर वर्ग के कल्याण को समर्पित होगा। इस बजट निर्माण की प्रक्रिया को बंद कमरों तक सीमित न रखकर सरकार द्वारा सभी हितधारकों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है ताकि एक सर्व समाज के कल्याण में एक हितकारी बजट पेश किया जा सके।

बजट पूर्व परामर्श बैठकों के क्रम में मुख्यमंत्री शुक्रवार को फरीदाबाद के सूरजकुंड में उद्योग एवं विनिर्माण क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ सीधा संवाद कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने राजा नाहर सिंह के बलिदान दिवस पर उनको शत-शत नमन किया। उन्होंने कहा कि यह फरीदाबाद के लिए गौरव की बात है, जो इस धरती पर राजा नाहर सिंह का जन्म हुआ।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में तेज गति से उद्योगों का विकास हो रहा है। आए दिन बड़ी-बड़ी औद्योगिक इकाईयां हरियाणा में आ रही है। ऐसे में प्रदेश सरकार एक बेहतर औद्योगिक इकोसिस्टम बनाने के लिए नई-नई नीतियां बना रही है। हरियाणा के औद्योगिक विकास के लिए बजट प्रावधानों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। प्रदेश सरकार ने आगामी बजट के लिए यह लक्ष्य रखा है कि यह बजट अधिक से अधिक उद्योगों के अनुकूल हो ताकि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले व 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य पूरा हो। उन्होंने कहा कि इस मंच पर एकत्र होने का उद्देश्य सहभागी लोकतंत्र और सहभागी शासन की भावना को साकार करना है ताकि प्रदेश के विकास को और गति से आगे बढ़ा सके।

बीते वर्ष भी बजट पूर्व परामर्श बैठक के 71 सुझावों की बजट में की गई थी घोषणा

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने बीते वर्ष भी बजट पूर्व परामर्श बैठकों का आयोजन किया था, जिसमें विस्तृत और सार्थक विचार-विमर्श हुआ था और 71 सुझावों को हमने सीधे बजट का हिस्सा बनाया था। उन्होंने कहा कि उद्योग एवं श्रम विभाग हरियाणा की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसी को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2025-26 में इस विभाग के लिए लगभग 1 हजार 951 करोड़ 43 लाख रुपये का प्रावधान किया गया। इसमें से अब तक 873 करोड़ 51 लाख रुपये की राशि खर्च की जा चुकी है।

सरकार ने उद्योगों के दृष्टिगत अनेक दूरगामी निर्णय लिए

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने उद्योगों के दृष्टिगत अनेक दूरगामी निर्णय लिए हैं, जिसमें अनधिकृत कॉलोनियों का नियमितीकरण, औद्योगिक क्षेत्रों में भूमि आवंटन की प्रक्रियाओं को सरल बनाना, नए इन्क्यूबेशन सेंटरों की स्थापना, टेक्सटाइल नीति का विस्तार, पद्मा नीति के अंतर्गत परियोजनाओं की स्वीकृति तथा जीरो वेस्ट और जीरो वॉटर वेस्टेज की दिशा में औद्योगिक क्षेत्रों में ई.टी.पी. प्लांट्स की स्थापना जैसे निर्णय शामिल हैं। इन उपलब्धियों के पीछे आप सभी के बहुमूल्य सुझाव, आपकी समझ और विभागीय समन्वय की बड़ी भूमिका रही है।

औद्योगिक विकास के लिए बजट में नहीं आने दी जाएगी कोई कमी

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कि औद्योगिक विकास के लिए बजट में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। हमारा पूरा प्रयास है कि आगामी बजट रोजगार, निवेश, नवाचार और आत्मनिर्भरता का मजबूत करने वाला बजट हो। उन्होंने कहा कि मैं प्रदेश की जनता को विश्वास दिलाता हूं कि प्रदेश में औद्योगिक विकास, व्यापारिक सुगमता और निवेश प्रोत्साहन के लिए बजट प्रावधानों में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने बजट से जुड़े सभी हितधारकों से आह्वान किया कि वे अपने बहुमूल्य सुझाव एआई चैटबॉट पर दें ताकि बेहतरीन सुझावों को इस बजट में शामिल किया जा सके।

देश और हरियाणा को विकसित बनाने का संकल्प लें

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2047 में भारत को विकसित बनाने का संकल्प लिया है। हम सभी इस दिशा में सामूहिक प्रयास करे और देश व हरियाणा को विकसित बनाने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि सरकार और उद्योग दो रास्ते नहीं बल्कि दो पहिए हैं, जो विकसित भारत और विकसित हरियाणा बनाने का सपना पूरा करेंगे।

लोक निर्माण मंत्री ने की केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भेंट

डोडरा-क्वार सड़क परियोजना हेतु केंद्रीय सहयोग का किया आग्रह

शिमला। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने गत सायं नई दिल्ली में केंद्रीय ग्रामीण

विकास, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भेंट की। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री ने डोडरादृक्वार क्षेत्र (लारोटदृकीतरवारी) की तीन लंबित सड़क परियोजनाओं को पीएमजीएसवाई-1 के तहत मंजूरी प्रदान करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि यह योजना अब बंद हो चुकी है, लेकिन डोडरादृक्वार एक दुर्गम क्षेत्र है, जहां भौगोलिक परिस्थितियां बहुत कठिन हैं। इन सड़कों के बनने से वहां रहने वाले ग्रामीण लोगों को सुविधा होगी। लोक निर्माण मंत्री ने केंद्र सरकार से विभिन्न सड़क परियोजनाओं के लिए लंबित 76 करोड़ रुपये की राशि शीघ्र जारी करने का भी आग्रह किया, ताकि निर्माण कार्य तेजी से पूरा किया जा सके। इसके अलावा, विक्रमादित्य सिंह ने हिमाचल प्रदेश के लिए पीएमजीएसवाई-4 के तहत 294 सड़क प्रस्तावों को मंजूरी देने की मांग की। उन्होंने कहा कि इन प्रस्तावों को पहले ही अधिकार प्राप्त समिति द्वारा अनुशंसित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि पीएमजीएसवाई-4 के तहत बनने वाली सड़कें उन बस्तियों को जोड़ेंगी, जो अभी तक सड़क सुविधा से वंचित हैं। इससे ग्रामीण लोगों का जीवन बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह 294 सड़क परियोजनाएं कुल 1,538 किलोमीटर लंबी हैं और 250 से अधिक बस्तियों सहित सड़क सुविधा से वंचित 429 बस्तियां शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में सड़कों का विशेष महत्त्व है, क्योंकि राज्य की अधिकांश आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है और सड़कों के माध्यम से ही संपर्क और विकास संभव है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोक निर्माण मंत्री को हिमाचल प्रदेश के लिए केंद्र सरकार द्वारा हर सम्भव सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने अधिकारियों को लंबित राशि जारी करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने छात्र संसद में नामी संस्थानों के छात्रों से किया संवाद

- हिमाचल प्रदेश देश का 'हैप्पीएस्ट स्टेट' : मुख्यमंत्री

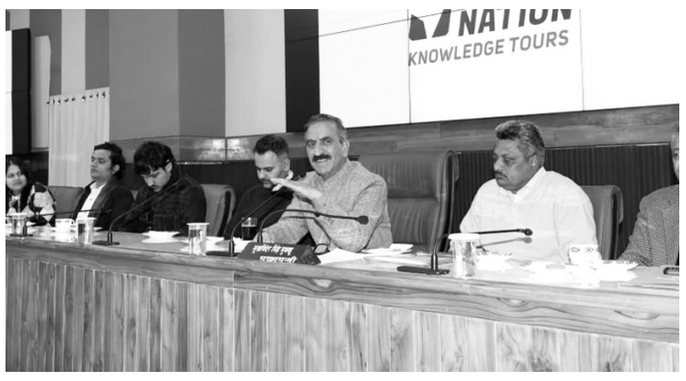

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज यहां छात्र संसद कार्यक्रम के तहत शिमला आए छात्रों से प्रदेश सचिवालय में संवाद किया। देश के प्रतिष्ठित आईआईटी, आईआईएम और राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय सहित नामी शैक्षणिक संस्थानों के छात्र इस अवसर पर उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की जानकारी साझा करते हुए विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने प्रदेश के विकासात्मक मानकों को इंगित करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश देश का 'हैप्पीएस्ट स्टेट' है। उन्होंने छात्रों के एक सवाल के जवाब में कहा कि सफलता के लिए समर्पण, नैतिकता, पारदर्शिता सहित नेतृत्व गुणों का समावेश किसी भी व्यक्तित्व के लिए नितान्त आवश्यक है। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में लोकतंत्र प्राचीन काल से ही विद्यमान है। यहां की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और मानवीय सरोकारों की देश विदेश में अलग पहचान है। उन्होंने गुड गवर्नमेंट के लिए गुड गवर्नेंस की आवश्यकता पर बल देते हुए प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए गए बदलावों और सुधारों से भी छात्रों को अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हरित हिमाचल के ध्येय के साथ अनेक नवोन्मेषी पहल कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 तक हिमाचल को आत्मनिर्भर और वर्ष 2032 तक देश का समृद्धतम राज्य बनेगा। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि हिमाचल सरकार पैट्रो ईंधन आधारित वाहनों को चरणबद्ध तरीक़े से इलेक्ट्रिक वाहनों में बदल रही है। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने पर प्रदेश सरकार विशेष ध्यान दे रही है। इस संदर्भ में उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा लागू की गई मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना, मुख्यमंत्री सुख शिक्षा योजना, राजीव गांधी राजकीय आदर्श डे-बोर्डिंग स्कूल, डॉ. वाई.एस. परमार विद्यार्थी ऋण योजना सहित विभिन्न पहलों पर प्रकाश डाला।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी दस वर्षों में प्रदेश के शिक्षा क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव आयेगा। छात्रों को भविष्य की ज़रूरतों और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के आधार पर गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के लिए अभिनव प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य में वीआईपी कल्चर को खत्म करने के लिए निरन्तर प्रयासरत है। विभिन्न स्तरों पर युक्तिकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नैसर्गिक सौंदर्य और अलौकिक प्राकृतिक सुन्दरता की दृष्टि से भी राज्य की अलग पहचान है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लड़कियां हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। छात्रों ने मुख्यमंत्री से विभिन्न विषयों पर सवाल भी पूछे। छात्र संसद एक ऐसा कार्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को सिर्फ़ किताबी ज्ञान नहीं बल्कि संसद, विधानसभा और प्रशासन के कामकाज का सीधा अनुभव देकर उन्हें देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करता है। इस अवसर पर विधायक सुरेश कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार मीडिया नरेश चौहान, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (नवीनीकरण, डिजिटल प्रौद्योगिकी एवं गवर्नेंस) गोकुल बुटेल, छात्र संसद के अध्यक्ष आदित्य बेगड़ा, छात्र संसद के पदाधिकारी शशांक शेखर पांडेय, मानस तिवारी, और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

किंगस्टन होल्डिंग दुबई में फैक्ट्री हेल्पर/जनरल हेल्पर की भर्तियों का सुनहरा अवसर

धर्मशाला। क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी अक्षय कुमार ने सुचित किया है कि हिमाचल प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (एचपीएसईडीसी) हिमाचल प्रदेश सरकार उपक्रम द्वारा किंगस्टन होल्डिंग दुबई में फैक्ट्री हेल्पर/जनरल हेल्पर की भर्तियाँ की जा रही हैं। इन पदों हेतु शैक्षणिक योग्यता दसवीं पास, बेसिक अंग्रेजी का ज्ञान व आयु सीमा 21 वर्ष से 35 वर्ष तक रखी गई है। इन पदों हेतु मासिक वेतन 1,375 संयुक्त अरब अमीरात दिरहम (मासिक वेतन- 1,075 संयुक्त अरब अमीरात दिरहम तथा दैनिक ओवरटाइम (3 घंटे)(300 संयुक्त अरब अमीरात दिरहम) तथा रहने की सुविधा कंपनी द्वारा दी जाएगी। इच्छुक आवेदक लिंक में दिए गए गूगल फॉर्म पर अपना पंजीकरण करना सुनिश्चित करें, ताकि आप साक्षात्कार में भाग लें सके। फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 12 जनवरी 2026 है। चयनित उम्मीदवारों को भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा अनुमोदित रूपय 35,400 तथा 1,500 मेडिकल का शुल्क देना होगा। वैध पासपोर्ट न रखने वाले उम्मीदवारों को भर्ती में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। किसी भी असुविधा हेतु कार्यालय फ़ोन नंबर 01892-224892 पर संपर्क भी कर सकते हैं।

शाहपुर विधानसभा में जलशक्ति विभाग की 100 करोड़ की योजनाएं क्रियान्वित : केवल सिंह पठानिया

नलकूप का किया लोकार्पण, 1723 लोगों को मिलेगी सुचारू पेयजल सुविधा

शाहपुर। शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत जलशक्ति विभाग द्वारा लगभग 100 करोड़ रुपये की विभिन्न पेयजल एवं आधारभूत ढांचा विकास योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। यह जानकारी शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने नेरटी में उठाऊ पेयजल योजना भैरूङ्कचूड़थाङ्क्योलङ्कझरेड के सुधारीकरण के अंतर्गत निर्मित नलकूप के लोकार्पण अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए दी। उन्होंने बताया कि इस नलकूप के प्रारंभ होने से नेरटी पंचायत के तीन गांवों के 1723 लोगों को शुद्ध एवं सुचारू पेयजल सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि 2.21 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित की जा रही इस उठाऊ पेयजल योजना का अधिकांश कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

केवल सिंह पठानिया ने कहा कि क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाने की दिशा में 7.35 करोड़ रुपये की लागत से रैतङ्कझीरबल्ला सड़क का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसे 31 मार्च के बाद टायरिंग कर जनता को समर्पित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त विद्युत आपूर्ति को सशक्त बनाने के लिए 48 लाख रुपये की लागत से 63 केवीए ट्रांसफार्मर को अपग्रेड कर 250 केवीए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शाहपुर विधानसभा का समग्र विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और सरकार का लक्ष्य क्षेत्र के हर गांव तक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर विधायक ने नेरटी सेंटर के प्राथमिक विद्यालय के 38 बच्चों को स्कूल बैग भी वितरित किए।

कांग्रेस पेंशन सेल के अध्यक्ष एवं स्थानीय निवासी प्रदीप बलौरिया ने उपमुख्य सचेतक का स्वागत करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है। वर्षों पुरानी पेयजल एवं अन्य बुनियादी समस्याओं का समाधान कर उन्होंने लोगों को बड़ी राहत प्रदान की है, जिसके लिए क्षेत्रवासी उनके आभारी हैं। इस अवसर पर उन्होंने लोगों की समस्याओं को भी सुना और अधिकांश का मौके पर निपटारा करते हुए शेष को त्वरित करवाई हेतु संबंधित विभागों को भेज दिया। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता जलशक्ति अमित डोगरा, साहित्यकार डॉ. गौतम व्यथित, तहसीलदार दीक्षांत ठाकुर, सहायक अभियंता रज्जाक मोहम्मद, पूर्व प्रधानाचार्य अश्वनी धीमान, बीईईओ मिंटो देवी, पीटीएफ प्रधान दलजीत, सीएचटी अरविंद धीमान, उपमुख्य सचेतक के सलाहकार विनय, एचआरटीसी बीओडी निदेशक विवेक राणा, संजय शर्मा, कैप्टन रविंदर, महिला मंडल प्रधान सुमना, शीला देवी, मुख्याध्यापक संजय, राजेंद्र मन्हास, सुखदेव, जसवीर, देशराज, रामनाथ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, राजकीय कन्या उच्च विद्यालय का स्टाफ एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विद्युत उपमंडल सिद्धपुर में 10 जनवरी 2026 को बिजली बंद

धर्मशाला। विद्युत उपमंडल सिद्धपुर के सहायक अभियंता संतोष कुमार ने जानकारी देते हुए बताया है कि विद्युत लाइनों के उचित रखरखाब हेतु दिनांक 10 जनवरी 2026 को सुबह 09:30 से शाम कार्य समाप्ति तक धरूनि माता से घुम्मकड़ चैक, दडिया डा लाड, रककर, रककर बल्ला आदि क्षेत्रों मे विद्युत आपूर्ति पूर्णतः बाधित रहेगी। मौसम खराब होने या अन्य आकस्मिक आपदा में ये कार्य स्थगित या आंशिक रूप से किया जा सकता है।

हिम-आंचल पैंशन संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से भेंट की

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू से आज यहां हिम-आंचल पैंशन संघ के प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष के.जी. गौतम की अध्यक्षता में भेंट की और उन्हें अपनी मांगों से अवगत करवाया। मुख्यमंत्री ने उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया।

पंचायत चौकीदार यूनियन ने मुख्यमंत्री से की भेंट

शिमला। पंचायत चौकीदार यूनियन ने इंटक के उपाध्यक्ष पूर्ण चन्द की अध्यक्षता में आज यहां मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू से भेंट की और उन्हें पंचायत चौकीदारों की मांगों से अवगत करवाया। मुख्यमंत्री ने उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने बस दुर्घटना में हुई मृत्यु पर जताया शोक

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज सिरमौर ज़िला के हरिपुरधार के पास निजी बस (जीत कोच) दुर्घटना में हुई मानव क्षति पर गहरा शोक व्यक्त किया है। बस शिमला से कुपवी जा रही थी। यह बस हरिपुरधार से 100 मीटर पहले अनियंत्रित होकर लगभग 100 मीटर गहरी खाई में गिरी। अभी तक प्राप्त जानकारी के अनुसार बस में 45 लोग सवार थे, जिनमें से 12 यात्रियों की मौक़े पर मृत्यु हो गई, जबकि 33 गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को उपचार के लिए आईजीएमसी शिमला रैफर किया गया है। मुख्यमंत्री ने ज़िला प्रशासन को मृतकों के परिजनों को हर संभव सहायता प्रदान करने तथा घायलों को उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगतजनों की आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

राज्यपाल ने क्रिमसन स्नो और हर हिल्स, देयर ड्रीम्स पुस्तक का विमोचन किया

शिमला। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज लोक भवन में युवा लेखिका रेवा की पुस्तक 'क्रिमसन स्नो' और उनकी माता शालिनी शर्मा की पुस्तक 'हर हिल्स, देयर ड्रीम्सदृशिमला- अ

बायोग्राफी इन स्टोन एंड ग्रीन्स' का विमोचन किया।राज्यपाल ने लेखिकाओं के परिश्रम और लेखन कौशल की सराहना करते हुए कहा कि ये साहित्यिक रचनाएं विरासत, साहस और अपनी भूमि से गहरे जुड़ाव की भावना को दर्शाती हैं। 'क्रिमसन स्नो' हिमाचल के स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों की कहानी का वर्णन करती है, जबकि हर हिल्स, देयर ड्रीम्स इतिहास, कथाओं और स्मृतियों के माध्यम से शिमला को जीवंत रूप से प्रस्तुत करती है, जिसमें शहर के अतीत और वर्तमान का सुन्दर चित्रण है।

पाइनग्रोव स्कूल की छात्रा रेवा ने अपनी दूसरी पुस्तक, क्रिमसन स्नो हिमाचल का स्वतंत्रता संग्राम में योगदान के बारे में लिखा है। इस पुस्तक में राज्य के 20 ऐसे पुरूषों और महिलाओं के बारे में लिखा है, जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम और आधुनिक हिमाचल के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राज्यपाल ने उनके प्रयासों की प्रशंसा करते हुए उन्हें इसी लगन और समर्पण के साथ लेखन जारी रखने के लिए प्रेरित किया। अधिवक्ता एवं प्रसिद्ध पुस्तक समीक्षक शालिनी शर्मा ने कहा कि उनकी पुस्तक शिमला को एक जीवित इकाई के रूप में प्रस्तुत करती है, जिसमें शहर की विरासत, समृद्ध संस्कृति, प्रेम और विरह के साथ-साथ वर्तमान समय की चुनौतियों को भी दर्शाया गया है। राज्यपाल ने मां और बेटी दोनों को बधाई दी और कहा कि ऐसी रचनाएं पाठकों को इतिहास, मूल्यों और भूमि की भावना से जुड़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

लम्बित तकसीम मामलों की सप्ताह में तीन दिन सुनवाई करें सुनिश्चित: डीसी

- दुरुस्ती के लम्बित मामलों को 31 मार्च तक निपटाने के दिए निर्देश
- कांगड़ा जिला के राजस्व अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित

धर्मशाला। उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कांगड़ा जिला के सभी तहसीलदार तथा नायब तहसीलदार हर सप्ताह मंगलवार, बुधवार और वीरवार को तकसीम के मामलों की सुनवाई करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि इनका समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित किया जा सके। हर माह के दौरान तकसीम मामलों की 12 दिन सुनवाई सुनिश्चित की जाएगी तथा शनिवार को जिला स्तर पर तकसीम के मामलों की सुनवाई की समीक्षा की जाएगी। शुक्रवार को उपायुक्त हेमराज बैरवा ने वर्चुअल माध्यम से राजस्व विभाग के जिला के तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राजस्व मामलों का त्वरित और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने कारगर कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं तथा दुरुस्ती से सम्बन्धित लम्बित सभी राजस्व मामलों को 31 मार्च, 2026 तक निपटाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है।

उन्होंने कहा कि लम्बित राजस्व मामलों के त्वरित समाधान के लिए सरकार प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। इसके दृष्टिगत उन्होंने सेवानिवृत्त पटवारी, काननूगो, नायब तहसीलदार तथा तहसीलदार को पुनः नियुक्ति प्रदान करने की प्रक्रिया भी आरंभ की गई है कांगड़ा जिला में 5 तहसीलदार, पांच नायब तहसीलदार, दो कानूनगो तथा 95 पटवारी के पद पुनः नियुक्ति के आधार पर भरने के लिए आवेदन भी मांगे गए हैं ताकि लम्बित राजस्व मामलों का अतिशीघ्र निपटारा किया जा सके। उन्होंने राजस्व मामलों के समाधान के लिए सम्बन्धित अधिकारियों और कर्मचारियों को समुचित प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश भी दिए।

ग़रीब परिवारों को प्रदान की जाएगी पक्के मकान की सुविधा: मुख्यमंत्री

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज यहां पंचायती राज विभाग की एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के उन पात्र गरीब परिवारों को पक्के मकान की सुविधा उपलब्ध करवाएगी, जो अभी भी कच्चे मकानों में रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षित आवास केवल एक बुनियादी आवश्यकता ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामाजिक अधिकार है और सरकार इसे सुनिश्चित करने के लिए ठोस क़दम उठा रही है। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार पंचायती राज विभाग को सुदृढ़ करने के लिए रिक्त पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरेगी। पंचायतों में कनिष्ठ अभियन्ताओं के पद भी भरे जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार सामाजिक अधिकारिता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। समाज के वंचित, उपेक्षित और क़मजोर वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावी ढंग से कार्यान्वित की जा रही हैं। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य केवल मकान निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि ग़रीब परिवारों को सम्मानजनक जीवन स्तर उपलब्ध करवाना है। मूलभूत सुविधाओं, स्वच्छता, पेयजल और आजीविका के अवसरों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभिन्न योजनाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने दोहराया कि सरकार की प्राथमिकता जनहित है और समाज में पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना ही 'व्यवस्था परिवर्तन' की मूल भावना है।इस अवसर पर ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (नवीनीकरण, डिजिटल प्रौद्योगिकी एवं गवर्नेंस) गोकुल बुटेल, मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर, सचिव पंचायती राज सी. पालरासु, निदेशक पंचायती राज राघव शर्मा और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

EXECUTIVE ENGINEER HPPWD KASAULI DIVISION
CUM-MEMBER SECRETARY HIMSES HIMACHAL
SARAI BHAWAN SEC-24 & SEWA SADAN-25(W) CHANDIGARH

The Executive Engineer HPPWD Kasauli Distt solan HP on behalf of Governor of HP invites the Online bids on Percentage rte in electronic tendering system, in 2 cover system for the under mentioned work from the eligible and approved contractors/Firms registered with HPPWD Department.

Job No.	Name of Work	Tentative Cost	Earnest Money	Time allowed	Cost of Form
1	A/R & M/O Himachal Sewa Sadan Sector-25(W) Chandigarh.(SH:- Painting Work interior & exterior with emulsion & apex respectively etc) Job No-3.	19,33,356/-	38,700/-	Two Month	500/-
2	A/R & M/O Himachal Sewa Sadan Sector-25(W) Chandigarh.(SH:- P/L Chequerred precast concrete tile in parking area and waterproofing treatment or roof etc)Job No-01.	13,39,448/-	26,800/-	Two Month	500/-
3	A/R & M/O Himachal Sewa Sadan Sector-25(W) Chandigarh.(SH:- Repair to bathrooms including WS & SI works etc) Job No.02.	10,80,965/-	21,600/-	Two Month	500/-

Starting date for downloading bid:- 13.01.2026
Deadline for submission of bid:-19.01.2026 at 10.30AM
Date of Opening of Bid:-19.01.2026. at 11.30AM
1. The bidders are advised to note other details of tenders from the department website **https://hptenders.gov.in**.

Executive Engineer, Kasauli Division
HPPWD Cum-Member Secretary,
HIMSES

R.No. 5571/2025-2026

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25, स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। **सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग,** मुख्य कार्यालय: बूथ नं: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

चार महीने की अथक जांच का परिणाम — जीआरपी ने बाल मज़दूरी करवाने वाले आरोपी अनिल को किया गिरफ्तार, बच्चे का हाथ मशीन में कट गया था

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा जीआरपी ने चार महीने की लगातार गहन जांच और तकनीकी निगरानी के बाद उस आरोपी अनिल को गिरफ्तार कर लिया है, जिसके लिए काम करते हुए बहादुरगढ़ के एक बच्चे का हाथ चारा काटने की मशीन में कट गया था। मामला अगस्त माह में सामने आया था, जब बच्चे को गंभीर चोट आने की सूचना मिलने पर पुलिस ने बाल मजदूरी अधिनियम एवं अन्य धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू की।

घटना के समय बच्चा मानसिक सदमे में था और अपने बारे में या आरोपी के बारे में सटीक जानकारी देने की स्थिति में नहीं था, जिससे जांच बेहद चुनौतीपूर्ण हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक रेलवे हरियाणा, निकिता गहलोत ने विशेष जांच टीम का गठन किया, जिसमें साइबर विशेषज्ञों और विभिन्न जिलों के अनुभवी पुलिस अधिकारियों को शामिल किया गया।

200 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में तलाश, 200 से ज्यादा गांवों में पहुँच

जाँच टीम ने कैथल, जींद, रोहतक, झज्जर, बहादुरगढ़, सोनीपत, पानीपत, नूह, पलवल, दिल्ली के नरेला, नांगलोई, शाहदरा एवं उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद, गाजियाबाद, अलीगढ़, बागपत सहित 200 किलोमीटर के विस्तार में 200 से अधिक गांवों में सघन खोजबीन की।

इस दौरान मानव अधिकार आयोग के निर्देश पर बच्चे का बयान विशेषज्ञ टीम की निगरानी में दोबारा दर्ज कराया गया। उपलब्ध जानकारी के आधार पर हरियाणा शिक्षा बोर्ड, उत्तर प्रदेश शिक्षा बोर्ड और ग्राम पंचायत रिकार्ड के माध्यम से आरोपी अनिल की पहचान को पुख्ता किया गया।

लगातार प्रयासों के बाद सफलता — आरोपी अनिल गिरफ्तार

काफी समय से ठिकाना बदलकर छिप रहे अनिल को अंततः तकनीकी निगरानी और जमीनी इनपुट के आधार पर उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर क्षेत्र से पकड़ लिया गया। वह वहां एक डेयरी में काम कर रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार स्थान बदल रहा था।

गिरफ्तारी के बाद अनिल को अदालत में पेश कर जिला जेल झज्जर भेज दिया गया है।

जाँच टीम को सम्मान — कार्रवाई की पूरे प्रदेश में सराहना

इस जटिल मामले को सुलझाने के लिए जीआरपी द्वारा गठित विशेष टीम को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई बाल मज़दूरी व बाल शोषण के विरुद्ध एक सख्त और स्पष्ट संदेश देती है कि हरियाणा पुलिस किसी भी बच्चे के साथ अत्याचार करने वाले अपराधी को कानून से बचने नहीं देगी।

पंचकूला आर्य समाज के उपाध्यक्ष सुरेंद्र मोहन सूद ने पीजीआई को अपनी शरीर के महत्वपूर्ण अंग दान किये

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)।पंचकूला के सैक्टर-6 निवासी स्वर्गीय सुरेंद्र मोहन सूद, जिनका बीती 7 जनवरी को निधन हो गया था, के परिवारजनों ने मृतक की इच्छानुसार उनके शरीर के महत्वपूर्ण अंग पीजीआई को दान कर दिए हैं।

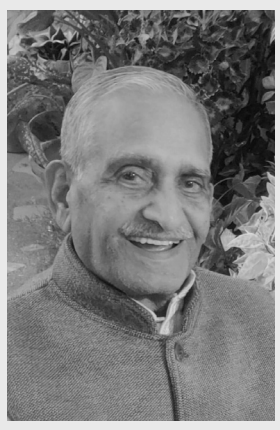

सुरेंद्र मोहन सूद का पार्थिव शरीर उनकी पत्नी सरोज कपूर व पुत्रों चेतन सूद और रजत सूद द्वारा अस्पताल के शरीर रचना विज्ञान विभाग को विधिवत सौंप दिया गया।

अस्पताल की डॉ. अंजली अग्रवाल ने अपने विभाग की तरफ से इस नेक कार्य के लिए परिवार के सदस्यों का आभार जताया है।

परिवार वालों के मुताबिक सुरेंद्र मोहन सूद ने सैदव लोगों की भलाई में अपना जीवन लगाया। परिवार ने बताया कि वो काफ़ी सामाजिक संस्थाओं के साथ जुड़े हुए थे। वे पंचकुला आर्य समाज के उपाध्यक्ष और सूद सभा के उपाध्यक्ष एवं संरक्षक निष्काम सेवा परिषद् के मेंबर थे।

एस.सी.कमिशन द्वारा हलका फिल्लौर के गांव नगर में गंदे पानी की समस्या के समाधान हेतु डीडीपीओ जालंधर तलब

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन जसवीर सिंह गढ़ी ने हलका फिल्लौर के गांव नगर में अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों के रिहायशी क्षेत्र में गंदे पानी की निकासी न होने संबंधी मामले पर प्रकाशित खबर का स्वतः संज्ञान (सुओ मोटो) लेते हुए जालंधर के डीडीपीओ को तलब किया है।

इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन स जसवीर सिंह गढ़ी ने बताया कि यह मामला अखबार में प्रकाशित खबर के माध्यम से उनके संज्ञान में आया है। उन्होंने बताया कि इस मामले को लेकर जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी, जालंधर श्री गुरदर्शन सिंह कुंडल को 14 जनवरी 2026 को तलब किया गया है।

'युद्ध नशों विरुद्ध' के 314वें दिन पंजाब पुलिस ने 1.4 किलो हेरोइन सहित 82 नशा तस्कर गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रदेश से नशों के पूर्ण उन्मूलन के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर चलाई जा रही मुहिम " युद्ध नशों विरुद्ध" के 314वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 320 स्थानों पर छापेमारी की। इसके परिणामस्वरूप राज्य भर में 62 एफआईआर दर्ज कर 82 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही 314 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 43,802 हो गई है।

छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 1.4 किलो हेरोइन, 10 किलो भुक्की, 710 नशीली गोलियां/कैप्सूल तथा 4,230 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और एसएसपी को पंजाब को नशा-मुक्त राज्य बनाने के निर्देश दिए हैं। पंजाब सरकार द्वारा नशों के खिलाफ युद्ध की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी का गठन भी किया गया है।

इस अभियान के दौरान 123 गजेटेड अधिकारियों की निगरानी में 1000 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 120 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 320 स्थानों पर छापेमारी की। इसके अतिरिक्त, दिन भर चले इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 321 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की।

यह भी उल्लेखनीय है कि पंजाब सरकार ने राज्य से नशों के उन्मूलन के लिए तीन-स्तरीय रणनीति—इन्फोर्समेंट, डी-एडिक्शन और प्रिवेंशन (ई डी पी) लागू की है। इस रणनीति के तहत पंजाब पुलिस ने आज 55 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास का उपचार लेने के लिए राज़ी किया है।

'युद्ध नशों विरुद्ध'; पंजाब सरकार स्कूल आधारित एक्शन प्रोग्राम के माध्यम से युवा मनों की रक्षा करेगी: हरजोत सिंह बैंस

- **अगले शैक्षणिक सत्र से सीनियर सेकेंडरी विद्यार्थियों को नशों के दुष्प्रभावों के बारे में विशेष पाठ्यक्रम के माध्यम से जागरूक किया जाएगा: हरजोत सिंह बैंस**
- **मन के अनुशासन को सुदृढ़ करने के लिए मोहाली के स्कूलों में पायलट आधार पर प्रतिदिन 'ध्यान सत्र' शुरू किया जाएगा: हरजोत सिंह बैंस**

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राज्य में चल रही 'युद्ध नशों विरुद्ध' मुहिम के तहत पंजाब सरकार ने नशे की समस्या की जड़ पर प्रहार करते हुए शिक्षा और रोकथाम पर केंद्रित एक व्यापक स्कूल-आधारित एक्शन प्रोग्राम लागू करने का निर्णय लिया है, जिसका उद्देश्य संवेदनशील युवा मनों की सुरक्षा करना है। मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में लागू की जा रही इस पहल में स्कूलों और शिक्षकों को नशों के विरुद्ध दीर्घकालिक लड़ाई में पहली पंक्ति के सुरक्षा कवच के रूप में तैयार किया जाएगा।

शिक्षा मंत्री श्री हरजोत सिंह बैंस, दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं दिल्ली की शिक्षा क्रांति के प्रणेता श्री मनीष सिसोदिया के साथ, मोहाली के फेज 3बी1 स्थित स्कूल ऑफ एमिनेंस में 'युद्ध नशों विरुद्ध' मुहिम के अंतर्गत चल रहे क्षमता निर्माण प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रिंसिपलों और शिक्षकों से संवाद करने पहुंचे। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की और उपस्थित शिक्षकों के साथ भविष्य की रणनीति साझा की।

सरकार के दृष्टिकोण के बारे में जानकारी देते हुए शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि जहां एक ओर नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है, वहीं वास्तविक और स्थायी जीत तभी संभव है जब किशोर पीढ़ी को नशों की चपेट में आने से पहले ही बचाव प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा, "इस निर्णायक युद्ध में शिक्षा और रोकथाम हमारे सबसे बड़े हथियार हैं। जागरूकता, नैतिकता और अनुशासन के माध्यम से युवा कोमल मनों की ऐसी बुराइयों से रक्षा करना ही पंजाब से नशों को समाप्त करने का टिकाऊ मार्ग है।"

शिक्षा मंत्री ने घोषणा की कि आगामी शैक्षणिक सत्र से पंजाब भर की सीनियर सेकेंडरी (ग्यारहवीं और बारहवीं) कक्षाओं में विद्यार्थियों को नशों के दुष्प्रभावों के बारे में विशेष रूप से तैयार किए गए पाठ्यक्रम के माध्यम से जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा, "इस संगठित हस्तक्षेप से विद्यार्थियों को आयु-उपयुक्त, तथ्यात्मक और नैतिक मूल्यों पर आधारित शिक्षा मिलेगी, जिससे वे सोच-समझकर जिम्मेदार निर्णय लेने में सक्षम होंगे।"

मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने आगे बताया कि पंजाब सरकार मोहाली जिले से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रतिदिन ध्यान (मेडिटेशन) सत्र शुरू करेगी। उन्होंने कहा, "स्कूल में विद्यार्थी के दिन की शुरुआत में ही लगभग 30 मिनट का ध्यान सत्र कराया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों का मानसिक अनुशासन, भावनात्मक संतुलन और नैतिक स्तर सुदृढ़ होगा। यह बच्चों को नकारात्मक प्रभावों से बचने के लिए आंतरिक शक्ति प्रदान करेगा।"

शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन की भूमिका पर बल देते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रिंसिपलों और शिक्षकों की क्षमता निर्माण प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, "यह प्रशिक्षण एक अहम शुरुआत है। हम शिक्षकों को प्रारंभिक जोखिम के संकेत पहचानने, सावधानीपूर्वक हस्तक्षेप करने और बच्चों को नशों से दूर रखने के लिए तैयार कर रहे हैं। हमारा मिशन हर बच्चे की रक्षा करना और उन्हें इस लड़ाई का अग्रदूत बनाना है।"

मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने यह भी जानकारी दी कि प्रत्येक स्कूल में शिकायत-सह-सुझाव बॉक्स लगाया गया है, जिसके माध्यम से विद्यार्थी बिना अपनी पहचान उजागर किए अपने आसपास नशा बेचने वालों या उन्हें संरक्षण देने वाली भ्रष्ट प्रथाओं के बारे में जानकारी साझा कर सकेंगे। उन्होंने कहा, "प्राप्त प्रत्येक सूचना/शिकायत का राज्य स्तर पर विश्लेषण कर त्वरित और स्वतंत्र रूप से कार्रवाई की जाएगी, ताकि जवाबदेही और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।"

इस दौरान दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने अपने एक्स (सोशल मीडिया) हैंडल पर मोहाली के स्कूल दौरे की कुछ झलकियां साझा करते हुए लिखा, "'युद्ध नशों विरुद्ध' मुहिम के फेज-2 के तहत पंजाब सरकार राज्य भर के सभी स्कूलों के प्रिंसिपलों को प्रशिक्षण दे रही है। यह प्रशिक्षण स्कूलों के भीतर मजबूत नशा-विरोधी वातावरण तैयार करने और हर बच्चे की सोच को इतना मजबूत करने पर केंद्रित है कि वह किसी भी दबाव, उकसावे या लालच में आए बिना नशों को स्पष्ट 'ना' कह सके।"

कक्षाओं से नशों के विरुद्ध कार्रवाई की शुरुआत से पंजाब अन्य राज्यों के लिए मिसाल बना

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। ऐसे समय में जब देश के अधिकांश हिस्सों में नशे के संकट पर चर्चा हो रही है, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने एक और साहसिक तथा अग्रणी निर्णय लिया है। नशे की अभिशाप को जड़ से समाप्त करने के लिए राज्य सरकार द्वारा स्कूल स्तर पर रोज़ाना युवा विद्यार्थियों के मन को सशक्त बनाकर उन्हें इस अभिशाप से दूर रखा जा रहा है, क्योंकि नशे को वास्तव में इसी स्तर पर ही रोका जा सकता है।

पंजाब सरकार की प्रमुख मुहिम 'युद्ध नशों विरुद्ध' के तहत बड़े स्तर पर योजनाबद्ध क्षमता-निर्माण कार्यक्रम स्कूल स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों और नशे के उपयोग से जुड़े जोखिमों के बारे में युवा मनों को सकारात्मकता की ओर मोड़ रहा है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग तथा डॉ. बी. आर. अंबेडकर स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (ए.आई.एम.एस.), मोहाली के माध्यम से भगवंत सिंह मान सरकार ने राज्य भर के स्कूल प्रमुखों के लिए संरचित प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यशालाएं शुरू की हैं, क्योंकि सरकार का मानना है कि नशे की रोकथाम इसकी लत लगने से बहुत पहले शुरू की जानी चाहिए।

यह पहल इस समझ पर आधारित है कि मानसिक स्वास्थ्य कोई बाहरी विषय नहीं है, बल्कि बच्चे के भावनात्मक, शैक्षणिक और सामाजिक विकास की नींव है। अब तक के प्रमाणों से पता चलता है कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी लगभग आधी समस्याएं 14 वर्ष की आयु से पहले उभरने लगती हैं। इसी कारण पंजाब सरकार ने स्कूलों को सबसे महत्वपूर्ण प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के रूप में स्वीकार किया है। राज्य भर के युवाओं में चिंता, शैक्षणिक दबाव, गुस्सा, दूसरों द्वारा परेशान किया जाना तथा कम उम्र में नशीले पदार्थों के उपयोग जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। इन संकेतों को नजरअंदाज करने के बजाय मान सरकार ने विलंबित प्रतिक्रिया की जगह प्रारंभिक हस्तक्षेप को प्राथमिकता दी है।

यह कार्यक्रम स्कूल प्रिंसिपलों को इस परिवर्तन के केंद्र में रखता है। स्कूल प्रमुख संस्थागत संस्कृति को आकार देते हैं, शिक्षकों का मार्गदर्शन करते हैं और जब विद्यार्थियों में निराशा के लक्षण दिखाई देते हैं तो सबसे पहले प्रतिक्रिया करते हैं। फिर भी पिछले कई दशकों से भारत भर में स्कूल नेतृत्व मानसिक स्वास्थ्य ढांचे या नशे के उपयोग से संबंधित रोकथाम रणनीतियों के बारे में सीमित जानकारी के साथ काम कर रहा है। पंजाब इस अंतर को निर्णायक रूप से भर रहा है। नशे के उपयोग की पहचान, रेफरल मार्ग अपनाने और स्वस्थ वातावरण सृजित करने के लिए प्रिंसिपलों को व्यावहारिक साधनों से लैस कर राज्य सरकार स्कूलों को मूक दर्शक बनने के बजाय सहायता प्रदान करने वाले सुरक्षित स्थानों में परिवर्तित कर रही है।

यह विशेष पहल राज्य सरकार के गंभीर प्रयासों को उजागर करती है। 'युद्ध नशों विरुद्ध' के दूसरे चरण में 6,000 से अधिक स्कूलों के प्रिंसिपलों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें पंजाब के सभी 23 जिलों के लगभग 4,000 वरिष्ठ माध्यमिक और हाई स्कूलों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पहले चरण में 7 से 9 जनवरी 2026 के बीच आयोजित कार्यशालाओं में 9 जिलों के 1,463 स्कूल प्रमुख शामिल हुए। इस दौरान विशेष रूप से सीमावर्ती जिलों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो नशों के विरुद्ध हमारी लड़ाई में अग्रिम पंक्ति में खड़े हैं। ये सत्र डॉ. बी.आर. अंबेडकर स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, मोहाली द्वारा आयोजित किए गए। कार्यशालाओं का संचालन करने वाले विशेषज्ञों को प्रशिक्षण टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टी. आई.एस.एस.), मुंबई के एक फील्ड-एक्शन प्रोजेक्ट 'स्कूल इनिशिएटिव फॉर मेंटल हेल्थ एडवोकेसी' के विशेषज्ञों द्वारा एक संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से दिया गया।

उल्लेखनीय है कि यह पहल केवल कागजी या दिखावटी नहीं है, बल्कि यह पंजाब की तकनीकी रीढ़—डेटा इंटेलिजेंस और तकनीकी सहायता इकाई (डीआईटीएसयू), पंजाब—के डेटा द्वारा समर्थित है, जो नशीले पदार्थों के सेवन के विरुद्ध एक व्यापक कार्रवाई का नेतृत्व कर रही है। इसे नेशनल एक्शन प्लान फॉर ड्रग डिमांड रिडक्शन (एनएपीडीडीआर) के तहत स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा नियुक्त जिला नोडल अधिकारियों की निगरानी और समन्वय के साथ संचालित किया जा रहा है। यह संस्थागत ढांचा एनएपीडीडीआर के अंतर्गत सुनिश्चित फंडिंग, स्पष्ट जवाबदेही और जिला-स्तरीय समन्वय सुनिश्चित करते हुए इस अभियान को डेटा-संचालित, परिणामोन्मुख और ठोस प्रभाव की दिशा में अग्रसर करता है।

मोहाली के प्रशिक्षण केंद्र में शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की उपस्थिति इस दिशा में सरकार की गंभीरता को दर्शाती है। इसके साथ ही यह शासन के ऐसे मॉडल को भी रेखांकित करता है, जो मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा और नशीले पदार्थों की रोकथाम जैसी चुनौतियों—जिनके लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता होती है—को आपस में जोड़कर देखता है।

विजिलेंस ब्यूरो द्वारा 5000 रुपये रिश्वत लेते सहायक सब-इंस्पेक्टर रंगे हाथों गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही मुहिम के तहत जिला कपूरथला के थाना सिटी फगवाड़ा में तैनात सहायक सब-इंस्पेक्टर सरबजीत सिंह को शिकायतकर्ता के माता-पिता को जमानत दिलाने में मदद करने के बदले 5000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया है।

आज यहां यह जानकारी देते हुए राज्य विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को गांव ईसरवाल, जिला जालंधर के निवासी द्वारा दर्ज करवाई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है।

प्रवक्ता ने कहा कि शिकायतकर्ता के माता-पिता के खिलाफ थाना सिटी फगवाड़ा में मामला दर्ज किया गया था और आरोपी अधिकारी ने शिकायतकर्ता को उसके माता-पिता की जांच में शामिल होने के संबंध में अदालती कॉम्प्लेक्स फगवाड़ा बुलाया था। इस मुलाकात के दौरान आरोपी ने रिश्वत की मांग की और शिकायतकर्ता को धमकाया कि अगर भुगतान नहीं किया गया तो उसके माता-पिता को जेल भेज दिया जाएगा। इस दबाव में शिकायतकर्ता ने मौके पर ही आरोपी को 2,000 रुपये रिश्वत के तौर पर दे दिए।

इसके बाद शिकायतकर्ता अपने माता-पिता के साथ पुलिस थाना सिटी फगवाड़ा गया, जहां उसके माता-पिता की आगे की तफ्तीश की गई। उक्त आरोपी सहायक सब-इंस्पेक्टर ने शिकायतकर्ता के माता-पिता को जमानत दिलाने में मदद करने के लिए 10,000 रुपये की और रिश्वत की मांग की। जब शिकायतकर्ता ने पूरी रकम देने में असमर्थता जताई तो आरोपी अधिकारी ने और 2,000 रुपये रिश्वत के तौर पर ले लिए और बाकी रकम बाद में अदा करने को कहा। प्रवक्ता ने आगे बताया कि आरोपी एएसआई ने शिकायतकर्ता को दोबारा रावलपिंडी पुलिस स्टेशन के पास बुलाया और 2,000 रुपये रिश्वत ले ली तथा उसे बाकी रकम देने की हिदायत दी।

खालसा स्कूल, सेक्टर 30-बी में साइबर सुरक्षा पर वर्कशॉप आयोजित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। गुरु नानक खालसा सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर 30-बी में साइबर सुरक्षा पर एक वर्कशॉप आयोजित की गई। वर्कशॉप का उद्देश्य शिक्षकों को साइबर खतरों और सुरक्षित डिजिटल तरीकों के बारे में जागरूक करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत वाइस प्रिंसिपल, सुश्री इंदरजीत कौर के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने आज के डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उपस्थित गणमान्य अतिथियों में चेयरमैन एस. चरणजीत सिंह चन्ना, मैनेजर एस. अमृतपाल सिंह झुल्का, असिस्टेंट मैनेजर एस. दमनदीप सिंह और जाने-माने शिक्षाविद डॉ. जे.एस. दरगन शामिल थे, जिन्होंने इस पहल की सराहना की। अतिथियों ने अपने योगदान के लिए रिसोर्स पर्सन को सम्मानित किया। वर्कशॉप के रिसोर्स पर्सन मोंटेसरी पब्लिक स्कूल, खरड़ की सुश्री एकता रानी और सेंट एनीज़ स्कूल, खरड़ के प्रिंसिपल जितेंद्र सक्सेना थे। उन्होंने साइबर अपराधों, डेटा सुरक्षा, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग और ऑनलाइन सुरक्षित रहने के लिए निवारक उपायों पर बहुमूल्य जानकारी साझा की। कार्यक्रम का समापन प्रिंसिपल, श्रीमती रमनजीत कौर द्वारा दिए गए औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रिसोर्स पर्सन, मैनेजमेंट और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

लाल चंद कटारूचक्क अनाज भवन में लोहड़ी के जश्न में शामिल हुए

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। फसल की कटाई का प्रतीक पंजाब का त्योहार लोहड़ी आज यहां सेक्टर-39 स्थित अनाज भवन में बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री लाल चंद कटारूचक्क भी पूरे विभाग के कर्मचारियों के साथ इस समारोह में शामिल हुए।

इस समारोह की शुरुआत लोहड़ी की आग जलाने से हुई और पूरा माहौल पारंपरिक संगीत एवं लोक नृत्य की गूंज से झूम उठा। इस दौरान सभी ने रेवड़ी, गजक एवं मूंगफली का स्वाद चखा। लोहड़ी के इन जश्नों के दौरान पूरा जोश एवं उत्साह देखने को मिला और कर्मचारियों द्वारा लोक गीत गाते हुए लोहड़ी के इर्द-गिर्द नाचते हुए सभी के लिए खुशियां मांगी गईं।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि लोहड़ी पंजाबी संस्कृति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो सर्दी के जाने एवं कटाई के मौसम की आमद का प्रतीक है। यह भाईचारे की साझेदारी, शुक्राने एवं पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न है। इस त्योहार का संबंध पंजाब के लोक नायक दुल्ला भट्टी से भी है, जिन्होंने बेटियों की रक्षा हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इससे पहले मंत्री ने जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रकों (डीएफएससी) के साथ एक बैठक की अध्यक्षता भी

की और बाढ़ के बावजूद राज्य में धान की खरीद को सफल सीजन सुनिश्चित बनाने के लिए उनकी सराहना की। मंत्री ने डीएफएससी को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत लाभ प्राप्त करते रहने के लिए अधिक से अधिक लोगों को अपना ई-केवाईसी करवाने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश भी दिए।

इस अवसर पर अन्य लोगों के अलावा प्रमुख सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राहुल तिवारी, निदेशक वरिंदर कुमार शर्मा, पंजाब राज्य खाद्य आयोग के सदस्य जसवीर सिंह सेखों, अतिरिक्त निदेशक खाद्य आपूर्ति डॉ. अंजुमन भास्कर, अजयवीर सिंह सराओ एवं जीएम वित्त सर्वेश कुमार उपस्थित थे।

ईज़ी रजिस्ट्री' ने पंजाब में संपत्ति रजिस्ट्रेशन का बनाया रिकॉर्ड; जुलाई से दिसंबर 2025 तक 3.70 लाख से अधिक रजिस्ट्रियां हुईं दर्ज: हरदीप सिंह मुंडियां

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के राजस्व, पुनर्वास एवं आपदा प्रबंधन मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने आज बताया कि 'ईज़ी रजिस्ट्री' पहल पंजाब की संपत्ति रजिस्ट्रेशन प्रणाली में एक नया मील का पत्थर साबित हुई है, जिससे पूरे राज्य में मज़बूत और लगातार सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

राजस्व मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने बताया कि जुलाई 2025 में इसकी शुरुआत से लेकर दिसंबर 2025 तक कुल 370967 रजिस्ट्रियां की गईं, जो पारदर्शी, भ्रष्टाचार-मुक्त शासन और नागरिक-हितैषी सेवाओं की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि ईज़ी रजिस्ट्री को मिली लोगों की प्रतिक्रिया स्पष्ट करती है कि लोग ऐसी प्रणाली पर भरोसा करते हैं, जो पारदर्शी, समयबद्ध और परेशानी-मुक्त हो। उन्होंने बताया कि सिर्फ छह महीनों के दौरान संपत्ति से संबंधित 3.70 लाख से अधिक रजिस्ट्रियां दर्ज की गईं, जो इन सुधारों की सफलता की गवाही देती हैं।

इस संबंध में महीनावार आंकड़े साझा करते हुए राजस्व मंत्री ने बताया कि जुलाई 2025 में 64965 दस्तावेज़ रजिस्टर किए गए, अगस्त में 62001, सितंबर में 55814 और अक्टूबर में 53610 दस्तावेज़ रजिस्टर किए गए। उन्होंने कहा कि नवंबर में रजिस्ट्रियों से संबंधित 58200 दस्तावेज़ दर्ज किए गए जबकि दिसंबर में सबसे अधिक 76377 रजिस्ट्रियां की गईं। उन्होंने कहा, ''रजिस्ट्रेशनों में यह निरंतर वृद्धि आसान और तकनीकी-आधारित संपत्ति रजिस्ट्रेशन ढांचे में बढ़ते लोगों के भरोसे को स्पष्ट करती है।''

इन ढांचागत सुधारों के बारे में विस्तार से बताते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि ईज़ी रजिस्ट्री के तहत दस्तावेज़ों की ऑनलाइन प्री-स्क्रूटनी शुरू की गई है, कार्यालय कार्यवाही में होने वाली देरी को काफी हद तक कम किया गया है और सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों में पहुंच आसान हुई है। मंत्री ने बताया, ''सेल डीड की हस्ताक्षर-रहित प्रतियों की अब 48 घंटों के अंदर ऑनलाइन जांच की जाती है, जिससे परेशानी काफी घटी है और भ्रष्टाचार के रास्ते प्रभावी ढंग से बंद हुए हैं।'' उन्होंने आगे बताया कि जांच के दौरान उठाई गई सभी आपत्तियों की निगरानी सीधे तौर पर डिप्टी कमिश्नरों और एस.डी.एमज़. द्वारा की जाती है ताकि जवाबदेही सुनिश्चित हो और अनावश्यक रुकावटों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज में 'सेवा की गुणवत्ता' विषय पर उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। यह आयोजन सेवा की गुणवत्ता पर सत्र आयोजित किया गया। नागरिक जागरूकता समूह ने भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (टीआरएआई) के सहयोग से सेक्टर 42, चंडीगढ़ स्थित पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज में 'सेवा की गुणवत्ता' विषय पर उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यशाला में 160 राष्ट्रीय सेवा स्वयंसेवक और समन्वयक शामिल हुए।

प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (एसएएनएल), वोडाफोन, एयरटेल और रिलायंस जियो के प्रतिनिधि भी इस सत्र में उपस्थित रहे।

नागरिक जागरूकता समूह के अध्यक्ष सुरिंदर वर्मा ने अपने उद्घाटन भाषण में बताया कि सीएजी 1994 में पंजीकृत एक राष्ट्रीय संगठन है जो सेवा की गुणवत्ता के लिए निरंतर काम कर रहा है।

कार्यशाला का उद्देश्य उपभोक्ताओं के अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उनके दैनिक जीवन में आने वाली आम समस्याओं का समाधान करना था। छात्रों को नवीनतम साइबर धोखाधड़ी के बारे में भी जानकारी दी गई और उन्हें सुरक्षित रहने के लिए दूरसंचार विभाग (डीओटी) और टीआरएआई के विभिन्न ऐप का उपयोग करने के लिए कहा गया।

संपादकीय

रेल में सोने की लूट और जांच का धोखा

जब रक्षक ही भक्षक बन जाए, तो यह व्यवस्था में एक गहरी और चिंताजनक स्थिति को दर्शाता है। इससे आमजन में असुरक्षा, निराशा और अविश्वास की भावना पैदा होना स्वाभाविक है। अगर कानून व्यवस्था का जिम्मा संभालने वाले ही आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने लगें, तो सुरक्षा और न्याय की उम्मीद किससे की जाए! बिहार में एक ऐसी ही चौंका देने वाली घटना सामने आई है, जिसमें करीब डेढ़ करोड़ रुपए के सोने की लूट की जांच कर रहा राजकीय रेलवे पुलिस का अधिकारी ही मामले में संलिप्त पाया गया। इस बात का खुलासा तब हुआ, जब पटना रेलवे पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में विशेष जांच दल ने गहन तहकीकात की। हैरत की बात है कि जिस अधिकारी को रेल में सफर के दौरान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई थी, वही अपराधियों की जमात में खड़ा पाया गया। ऐसे में यह सवाल और भी महत्त्वपूर्ण हो जाता है कि व्यवस्था में पनप रहे इस तरह के भ्रष्टाचार और अपराध के दरख्तों को खाद-पानी कहां से मिल रहा है?गौरतलब है कि कोलकाता स्थित एक स्वर्ण कारोबारी के कर्मचारी ने बिहार के गया रेल थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि गत वर्ष नवंबर में हावड़ा-बीकानेर एक्सप्रेस रेल में यात्रा के दौरान गया स्टेशन पर पुलिस वर्दी में चार लोग ट्रेन में सवार हुए। इसके बाद गया रेल थाना प्रभारी ने जांच शुरू की। जाहिर है कि जब लूट में शामिल पुलिस अधिकारी ही जांच कर रहा हो, तो सच सामने आने की उम्मीद कैसे की जा सकती है। भारतीय रेल आए दिन अलग-अलग बहाने से किराए में बढ़ोतरी करने या अधिक पैसे वसूलने में तो कोई संकोच नहीं करती, लेकिन यात्रियों के सुरक्षित और सुविधाजनक सफर को सुनिश्चित करने में शायद उसकी कोई रुचि नहीं है। विडंबना यह है कि यात्रियों के सामने आपराधिक तत्त्वों के अलावा अब वैसे लोगों से भी खुद को बचाने की चुनौती है, जो उनकी सुरक्षा के लिए ही तैनात किए जाते हैं।

जलवायु परिवर्तन ने शिकारी बना दिया भालुओं को भी

वन बाहुल्य के कारण उत्तराखण्ड में मानव वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं नई नहीं हैं, लेकिन इस संघर्ष में अब तक मुख्य भूमिका गुलदार, बांघ और हाथियों की रही है। बीसवीं सदी के प्रारंभ में रुद्रप्रयाग के मानवभक्षी गुलदार ने 125 से अधिक लोगों को मार कर सारे देश में सनसनी मचा रखी थी। उस मानव भक्षी को जिम कार्बेट ने 2 मई 1926 को मार गिराया था। लेकिन इस संर्घष में भालू अप्रत्याशित रूप से शामिल हो जाने के कारण स्थिति और भी चिन्ताजनक हो गयी है। चिन्ताजनक इसलिए भी कि भालुओं के इस हिसंक और शिकारी के जैसे व्यवहार का मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन माना जा रहा है। अब भय का कारण गुलदार और बाघ के साथ ही हिमालयी काला भालू भी बन गया है, जो स्वभाव से मांसाहारी नहीं माना जाता था।

(जयसिंह रावत)

- भालुओं की बस्तियों में धमक इंसानों के लिये तो खतरनाक है ही लेकिन इनके लिये भी बहुत खतरनाक है। अवैध शिकारी भालुओं को आसानी से मार कर उनकी बेशकीमती पित्ती की तश्करी का अवैध धन्धा कर सकते हैं।
- उत्तराखंड के वन मंत्री सुबोध उनियाल के अनुसार इस क्षेत्र में भालुओं का ऐसा हिसंक व्यवहार और आतंक पहले कभी नहीं देखा गया। गांवों से लेकर कस्बों और यहां तक कि राजधानी देहरादून तक भालुओं के हमले दर्ज किए जा रहे हैं।
- महिलाएं जंगल में घास-चारा लेने से डर रही हैं, किसान खेतों में काम नहीं कर पा रहे हैं, कई जगह स्कूल बंद करने पड़े हैं और पशुपालन मुश्किल होता जा रहा है। चमोली जिले के पोखरी क्षेत्र के हरिशंकर और ऊडामांडा गांवों में महिलाओं और स्कुली बच्चों पर भालुओं के बार-बार हमले उनके शर्मीले और डरपोक व्यवहार के विपरीत माने जा रहे हैं।
- भालुओं द्वारा गौशालाओं की छतें तोड़कर गाय-बैलों को मार डालने की घटनाएं भी सामने आई हैं। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वन विभाग को आपात जैसी व्यवस्था लागू करनी पड़ी है और 400 से अधिक गांवों को संवेदनशील घोषित किया गया है।
- साल 2025 में अब तक उत्तराखंड में भालुओं के हमलों से आठ लोगों की मौत हो चुकी है और 95 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जो राज्य गठन के बाद का सबसे बड़ा आंकड़ा है। पौड़ी, चमोली, पिथौरागढ़ और अल्मोड़ा जिले सबसे अधिक प्रभावित हैं। देहरादून जैसे शहरी क्षेत्रों में भालुओं की मौजूदगी इस बात का संकेत है कि यह समस्या अब केवल जंगलों से सटे गांवों तक सीमित नहीं रही।

हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि कई क्षेत्रों में वनकर्मियों को दिन में स्कूली बच्चों को सुरक्षित लाने-ले जाने और रात में गश्त करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि कुछ स्थानों पर भालुओं को देखते ही मार गिराने जैसे कठोर आदेश भी जारी किए गए हैं।

इस पूरे संकट का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण सवाल यही है कि आखिर वह भालू, जो हर साल नवंबर से फरवरी या मार्च तक शीतनिद्रा में चला जाता था, अब सर्दियों में भी सक्रिय होकर मानव बस्तियों में क्यों घुस रहा है। वन्यजीव विशेषज्ञों और वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार इसका मूल कारण जलवायु परिवर्तन है। हिमालयी काला भालू अपने जीवन चक्र में तापमान और बर्फबारी पर निर्भर रहता है। सामान्य परिस्थितियों में सर्दियों की ठंड और बर्फ उसे हाइबरनेशन के लिए मजबूर करती है, जहां वह कई महीनों तक बिना भोजन के रहता है। लेकिन हाल के वर्षों में उत्तराखंड और पूरे हिमालयी क्षेत्र में सर्दियां असामान्य रूप से गर्म हो गई हैं। बर्फबारी या तो बहुत कम हो रही है या समय पर नहीं हो रही। तापमान में इस बदलाव ने भालुओं की जैविक घड़ी को गड़बड़ा दिया है। जब भालू समय पर शीतनिद्रा में नहीं जाते या बीच में जाग जाते हैं, तो वे अत्यधिक भूखे और तनावग्रस्त होते हैं। इसी समय जंगलों में उनके लिए भोजन की उपलब्धता भी तेजी से घट गई है। बांज, बुरांश और काफल जैसे चौड़ी पत्ती वाले और फलदार पेड़, जो भालुओं के भोजन का मुख्य स्रोत थे, तेजी से कम हो रहे हैं। उनकी जगह चीड़ के जंगल बढ़ रहे हैं, जो भालुओं को लगभग कोई भोजन नहीं देते। जलवायु परिवर्तन के कारण जंगली फल, कंद और जड़ें या तो समय से पहले सूख जाती हैं या पर्याप्त मात्रा में पैदा ही नहीं हो पातीं। इस स्थिति में भालुओं को ऊर्जा और प्रोटीन की भारी कमी का सामना करना पड़ता है, जिसे वैज्ञानिक प्रोटीन हंगर कह रहे हैं। भूख और तनाव की इसी अवस्था में भालुओं को अब गांवों में फसलें, कचरा और मवेशी आसानी से मिल जाते हैं।

भालुओं की सूंघने की क्षमता अत्यधिक तीक्ष्ण होती है। वे आहार को डेढ किमी दूर से सूंघ सकते हैं। मवेशियों पर बढ़ते हमले यह संकेत देते हैं कि भालुओं की आहार संबंधी आदतों में खतरनाक बदलाव आ रहा है। यह केवल एक व्यवहारिक परिवर्तन नहीं, बल्कि पारिस्थितिक असंतुलन का सीधा परिणाम है। इसके साथ ही, गांवों से हो रहा पलायन भी इस संकट को बढ़ा रहा है। खाली पड़े खेतों में लैंटाना और काला बासा जैसी विदेशी झाड़ियां उग आई हैं, जो भालुओं को दिन में छिपने के लिए सुरक्षित आवरण देती हैं। इससे वे मानव बस्तियों के बेहद करीब रहने लगे हैं और टकराव की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह समस्या केवल उत्तराखंड तक सीमित नहीं है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में भी सर्दियों के दौरान भालुओं की सक्रियता और पशुओं पर हमलों की घटनाएं बढ़ी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जलवायु परिवर्तन की यही गति बनी रही, तो भविष्य में भालू पूरी तरह शीतनिद्रा की प्रक्रिया छोड़ सकते हैं, जिससे हिमालयी क्षेत्र में मानव-वन्यजीव संघर्ष और अधिक भयावह रूप ले सकता है। सरकार और वन विभाग द्वारा कचरा प्रबंधन सुधारने, जंगलों में प्राकृतिक भोजन स्रोत बढ़ाने, गांवों में बाड़ लगाने और भालुओं के व्यवहार पर वैज्ञानिक अध्ययन कराने जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। ये प्रयास आवश्यक हैं, लेकिन अस्थायी समाधान मात्र हैं। इस संकट से मिलने वाला सबसे बड़ा सबक यही है कि प्रकृति के साथ छेड़छाड़ और जलवायु परिवर्तन का असर अब सीधे-सीधे इंसान के जीवन और सुरक्षा पर पड़ रहा है। हिमालय के शांत माने जाने वाले भालू आज जिस तरह शिकारी बनते दिख रहे हैं, वह एक गंभीर पारिस्थितिक चेतावनी है। यदि वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन को रोकने के ठोस प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाले समय में न केवल उत्तराखंड बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र में इंसान और वन्यजीव दोनों के लिए खतरे और बढ़ते जाएंगे। यह लेखक के निजी विचार हैं।

'तत्वमसि' में है प्रचारकों की जिंदगी का बयान

(प्रो. संजय द्विवेदी)

हम जानते हैं कि श्रीधर पराड़कर, संघ प्रेरित अखिल भारतीय साहित्य परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री रहे हैं और लंबे समय से सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय हैं। एक लेखक,चिंतक,विचारक और संगठनकर्ता के नाते वे राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध हैं। ऐसे सरोकारी व्यक्ति का लेखन निश्चित ही बहुत सारे सवालों के जवाब लेकर आता है।

देश में हुए सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तनों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रति सामान्यजन की जिज्ञासा बढ़ा दी है। इस बीच अपनी यात्रा के 100 साल संघ ने पूरे कर लिए हैं। इसलिए संघ की संपर्क गतिविधियां भी सामान्य दिनों से ज्यादा हैं। ऐसे समय में संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्रीधर पराड़कर का उपन्यास 'तत्वमसि' बड़ी सरलता से आरएसएस के बारे में बताता है। यह उपन्यास एक आत्मकथात्मक उपन्यास भी कहा जा रहा है, जिसके केंद्र में खुद लेखक और उसके अनुभव हैं। बावजूद इसके एक प्रचारक की जिंदगी के बहाने संघ को समझाने में यह उपन्यास पूरी तरह सफल है।

कहानियों से चीजों को बताना आसान होता है, विचार कई बार भ्रमित भी करते हैं और उन्हें समझना सबके बस की बात नहीं। उसे वही ग्रहण कर सकता है जिसकी उस विचार विशेष में रुचि हो। शायद इसीलिए पूज्य सरसंघचालक डा. मोहन भागवत इस बात को रेखांकित करते रहे हैं कि संघ को संघ के भीतर आकर ही समझा जा सकता है। अपनी स्थापना के समय से ही संघ कुछ शक्तियों के निशाने पर रहा है। खासकर आजाद भारत में उसे इसके दंश कई बार भोगने पड़े। श्रीधर पराड़कर का यह उपन्यास उनके अर्जित अनुभवों का बयान भी है। इसलिए इस कृति की विश्वसनीयता बढ़ जाती है। सही मायनों में यह भोगा हुआ सत्य है, जिसकी अनुभूति इसे पढ़ते समय सहज ही होती है। हम जानते हैं कि श्रीधर पराड़कर, संघ प्रेरित अखिल भारतीय साहित्य परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री रहे हैं और लंबे समय से सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय हैं। एक लेखक,चिंतक,विचारक और संगठनकर्ता के नाते वे राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध हैं। ऐसे सरोकारी व्यक्ति का लेखन निश्चित ही बहुत सारे सवालों के जवाब लेकर आता है। किसी भी उपन्यास या कहानी की सबसे बड़ी सफलता है उसकी रोचकता। कहानी को सुनने-पढ़ने का मन होना। कथारस में बहते चले जाना। विचार और संगठन जैसी बोझिल समझी जाने वाली कथा को भी पराड़करजी ने जिस अंदाज में व्यक्त किया है उसने पुस्तक की पठनीयता बनाए रखी है। यह किताब न सिर्फ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचार तत्व, प्रचारकों

की जीवन शैली, संघ के समावेशी चरित्र का बयान करती है बल्कि किस तरह वह समाज परिवर्तन को व्यक्ति परिर्वतन के माध्यम से संभव कर रहा है इसे भी बताती है। उपन्यास के मुख्य पात्र परितोष बाबू संघ के प्रचारक हैं। प्रचारक परंपरा के बारे में समाज में न्यूनतम जानकारियां हैं। इस किताब में 'प्रचारक परंपरा' जो सामान्य वस्त्रों में रहकर भी 'साधु परंपरा' का पालन करती है का विषद वर्णन है। समाज जीवन में काम करते हुए आने वाली कठिनाइयों से लेकर,समाज के प्रश्नों का उत्तर भी प्रचारक खोजते हैं। भाषा की रवानी और कथा शैली ऐसी कि संगठन शास्त्र जैसे विषयों को किस्सागोई के साथ कहने में लेखक सफल रहे हैं। पत्रकार अनंत विजय ने किताब के फ्लैप पर ठीक ही लिखा है कि-मेरे जानते हिंदी के किसी लेखक ने किसी संगठन को केंद्र में रखकर इस तरह का उपन्यास नहीं लिखा है। यह अभिनव प्रयोग है, जिसके मोहजाल में पाठक का पड़ना तय है। पुस्तक के आरंभ में ही अपनी रेलयात्रा के माध्यम से परितोष बाबू न सिर्फ अपना स्वभाव,विचार रख देते हैं बल्कि समाज को लेकर अपनी सोच को भी प्रकट करते हैं। पहले दृश्य से बांध लेना इसे ही कहते हैं। यह उपन्यास एक कर्मनिष्ठ प्रचारक की जिंदगी से गुजरते हुए समाज के अनेक प्रश्नों के उत्तर भी देता चलता है। इसमें जो पात्र हैं वे बहुत सुनियोजित तरीके से कथा के उद्देश्य को पूरा करने में सहयोग करते हैं। विभिन्न पंथों और विचारों से जुड़े पात्रों का संवाद भी परितोष बाबू से होता है। यहां यह भी प्रकट होता है कि वे व्यक्ति से व्यक्ति का संवाद पसंद करते हैं। मुस्लिम युवा अफरोज से संवाद का अवसर आता है तो वे अपने सहयोगी से कहते हैं,- उन्हें बुलाना नहीं हम उनसे मिलने उनके घर जाएंगें। इससे पता चलता है कि संघ की कार्यपद्धति क्या है। जहां वह व्यक्ति से नहीं बल्कि परिवार से जुड़ता है ताकि उनसे सच्चा जुड़ाव हो सके। उनके सुख-दुख अपने हो जाएं। यह उपन्यास इस अर्थ में विशिष्ट है कि यह अपने समय और उसके सवालों से जूझता है। उसके ठोस और वाजिब हल खोजने की कोशिशें भी करता है। संवाद के माध्यम से यह उपन्यास जो कहता है उसे बहुत बड़े वक्तव्यों से नहीं समझाया जा सकता। प्रो. संजय कपूर, विदेशी मूल की युवती नोरा, महेश बाबू, अफरोज,सदानंद, अनिता और स्नेहल जैसे पात्रों के बहाने जो ताना-बाना बुना गया है वह अप्रतिम है। सदानंद,अमित और स्नेहल से हुए संवाद में परितोष बाबू जिस तरह संघ से जुड़े सवालों के उत्तर देते हैं,वैसे ही वे समाज और परिवार के मुद्दों पर राय रखते हैं। वे एक ऐसे बुजुर्ग की तरह पेश आते हैं जिस पर सबकी आस्था है। भारतीय परिवारों में बुजुर्गों की भूमिका क्या होनी चाहिए, क्या है इसे भी परितोष बाबू की छवि में देखा जा सकता है। परितोष बाबू जैसे लोग जिन्होंने अपना परिवार नहीं बनाया, उसकी मनोभूमि कैसे तैयार होती है। कैसे वे सब कुछ त्यागकर अपने समाज और देश की बेहतरी के स्वयं को आत्मार्पित कर देते हैं। यह सीखने वाली बात है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में बहुत से बने हुए भ्रमों, दुष्प्रचारों को यह उपन्यास एक जवाब है। भगवा ध्वज को गुरू मानना और सरसंघचालक परंपरा जैसे विषय भी सहज संवाद से सरल लगने लगते हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को सही निगाहों से देखना और उसका उचित मूल्यांकन किया जाना अभी शेष है, यह उपन्यास उस दिशा में एक सार्थक प्रयास है। (लेखक भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी), नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक हैं और संप्रति माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

वर्ग पहेली 5969

संकेतः बाएं से दाएं

1. 16 मई 2010 को वेस्टइंडीज में आयोजित 20-20 मैच में ऑस्ट्रेलिया को इस देश ने हराकर विश्व कप जीता (3)
3. रूबल मुद्रा इस देश में प्रचलित है (2)
5. मित्र, दोस्त, संगी (2)
7. भारत में 14 वें राष्ट्रपति के रूप में इन्हें निर्वाचित किया गया (7)
9. कटी फसल का ढेर, छोटा ढेर (2)
10. एक श्लोक का चर्तुर्थांश, योग्यतानुसार दिया गया ओहदा, पदवी (2)
12. अप्रबल, उत्साहीन, मंदस्वरीय (2)
13. यह पश्चिम अफ्रीका में स्थित एक देश है, इस शब्द का अर्थ लडाकू राजा है (2)
14. नैवेद्य, भोग्य वस्तु (2)
15. पुत्र, बेटा (2)
16. विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश (3)
17. गीत गाने या बोलने का ढंग (2)
18. आखेट चारा, कण, अनाज (2)
19. पढ़ाना, सिखाना, दीक्षा, गुरूमंत्र (3)

ऊपर से नीचे

1. 1971 में इन्हें भारतरत्न से नवाजा गया (5)
2. पतन होना, भरा जाना (3)
4. शताब्दी, दीर्घकाल, सौ वर्ष का समय (2)
5. मान करना, कोपना, रूठना (4)
6. शोहर, पति, स्वामी (3)
8. अव्यवस्थत समूह, हुजुर (3)
11. प्रसिद्ध क्रांतिकारी जिन्हें 23 मार्च 1931 को लाहोर में फांसी दे दी गई (5)
13. गुणनफल, उपयुक्त अवसर, अहित (2)
14. सुबह, प्रभात, सवेरा (2)
15. निर्देशक बिमल राय की 1959 की फिल्म जिसमें सुनीलदत्त व नूतन की जोड़ी थी (3)
16. अच्छा लगना, पसंद आना, शोभान्वित होना (2)
17. प्रेम, प्यार, (अंग्रेजी) (2)
18. मूल्य, कीमत (2)

वर्ग पहेली 5968 का हल

कु	वै	त	■	सु	ख	दे	व
रा	त	प	ड़	ना	■	ना	च
न	र	■	■	ई	श	■	न
■	णी	■	आ	दे	श	■	■
ब	■	आ	■	ना	क	त	क
सा	म	वे	द	■	■	ह	ल
व	■	श	ल	भ	■	जी	प
ट	न	■	ना	■	दा	ब	ना

जीवन धारा- भाग्य से प्रेम करने का साहस रखें...भविष्य से नहीं डरना ही एकमात्र सूत्र

(पवन पांडेय)

हर घटना को अपनी नियति का आवश्यक अंग मानें। यह स्वीकृति आपको गुलाम नहीं बनाती, बल्कि आपको मुक्त करती है। तब आप भाग्य के अधीन नहीं रहते, बल्कि उसके साथ नृत्य करने लगते हैं।जीवन अक्सर हमारी योजनाओं के अनुसार नहीं चलता। वह अपनी ही लय में चलता है-कभी हमें ऊंचाइयों पर ले जाता है, कभी गहराइयों में धकेल देता है। इसमें पीड़ा है, असफलताएं हैं, अपमान है और ऐसे क्षण भी आते हैं, जब लगता है कि पूरा संसार हमारे विरुद्ध खड़ा हो गया है। लेकिन यहीं से जीवन का एक गहरा और क्रांतिकारी सत्य प्रकट होता है-सच्ची शक्ति परिस्थितियों को बदलने में नहीं, बल्कि उन्हें पूरे हृदय से स्वीकार करने और उनसे प्रेम करने में है। यही है अमोर फाति, यानी अपने भाग्य से प्रेम करना।

अमोर फाति का अर्थ समर्पण नहीं, बल्कि स्वीकृति है। यह कहना नहीं कि 'मुझे सहना ही होगा', बल्कि यह कहना है कि मैं इसे चाहता हूं। जो घट रहा है, वह केवल सहने योग्य नहीं, बल्कि आवश्यक है। यह दृष्टि जीवन को युद्धभूमि नहीं, बल्कि आत्म-निर्माण की प्रयोगशाला मानती है। जो तुम्हें तोड़ता है, वही तुम्हें गढ़ता है। जो तुम्हें चोट पहुंचाता है, वही तुम्हें गहराई देता है। बुरी चीजों को भी सुंदर देखना सीखो। तब तुम उन लोगों में से एक बन जाओगे, जो स्वयं चीजों को सुंदर बना देते हैं। बीमारी, हानि, तिरस्कार-ये कोई अभिशाप नहीं, बल्कि भाग्य के उपहार हैं। इनके विरुद्ध युद्ध मत छेड़ो। जो तुम्हारे हिस्से आया है, उसे गले लगाओ। भाग्य से लड़ने वाला थक जाता है, लेकिन भाग्य से प्रेम करने वाला शक्तिशाली हो जाता है।

स्वयं से एक कठोर प्रश्न पूछो-यदि यही जीवन, जैसा है, हर आनंद और हर पीड़ा के साथ, अनंत बार दोहराया जाए, तो क्या तुम इसे फिर भी 'हां' कहोगे? या स्वीकारोगे? यही अमोर फाति की अंतिम परीक्षा है। महान वही है, जो कह सके कि कुछ भी अलग नहीं होना चाहिए। अतीत को दोष मत दो, वर्तमान को कोसो मत। हर घटना को अपनी नियति का आवश्यक अंग मानो। यह स्वीकृति तुम्हें गुलाम नहीं बनाती, बल्कि यह तुम्हें मुक्त करती है। तब तुम भाग्य के अधीन नहीं रहते, बल्कि उसके साथ नृत्य करने लगते हो। यही स्वतंत्र आत्मा की पहचान है।अमोर फाति निष्क्रियता नहीं सिखाता। यह सक्रिय, साहसी और रचनात्मक स्वीकृति है। जब कोई रिश्ता टूटे, तो उसे पतन नहीं, विकास का द्वार समझो। जब जीवन तुम्हें चुनौती दे, तो उसे अवसर मानो-स्वयं को और ऊंचा उठाने का अवसर। खुद को 'हां' कहने वाला बनाओ। हर सुबह यह संकल्प लो कि आज जो भी आएगा, मैं उसका स्वागत करूंगा। दर्द आए, तो पूछो कि यह मुझे क्या मजबूत बना रहा है? सफलता मिले, तो कृतज्ञ बनो और उसे भाग्य का वरदान मानो। ऐसी मनोवृत्ति चिंता को जला देती है, भय को निष्प्रभावी कर देती है। तब तुम जीवन के साधारण पात्र नहीं रहते, तुम उसके नायक बन जाते हो। हर अध्याय को पूरे उत्साह से जीने वाले नायक। भाग्य से प्रेम जीवन को बोझ नहीं, उत्सव बना देता है। दुख में भी सौंदर्य खोजो, हर क्षण को अमर बनाओ। जब तुम अपने भाग्य से प्रेम करने लगते हो, तब जीवन भी तुमसे प्रेम करने लगता है। जीवन को बदलने की कोशिश मत करो, उसे अपनाना सीखो। जो घट रहा है, वही आवश्यक है, चाहे वह सुख हो या दुख। भाग्य से लड़ने वाला थक जाता है।

आज का राशिफल

मेष

आज जीवनसाथी से किसी भी बात को छिपाने से बचना चाहिए। ऐसे में सायंकाल के बाद घर परिवार में कटुता व्याप्त हो सकती है। आपकी मनोदशा में तनाव से मुक्ति मिलेगी। यदि आप किसी प्रेम प्यार के दायरे का खुलासा करते हैं तो पारिवारिक वातावरण अशांत हो सकता है।

वृष

आज आपका कामकाज अच्छा चलेगा। आप अपनी सभी गतिविधियों को जरूरत के मुताबिक संचालित करने में सफल रहेंगे। संगी साथी आपको मदद देने के लिए तैयार रहेंगे। लेकिन उन पर पूरी तरह विश्वास कर लेना आपके लिए खतरे से खाली नहीं होगा।

मिथुन

आज करियर में बदलाव लाने की कोशिश बेकार जाएगी। ग्रह दशा बता रही है कि अभी परिस्थिति ठीक नहीं हैं। किसी भी काम में हाथ डालने से पहले अपने हम सफर से सलाह जरूर ले लें। निर्णय लेकर आगे बढ़ना है तो फिर कुछ प्राप्त करने के लिए कुछ खोना भी पड़ सकता है।

कर्क

आज के दिन किसी नए प्रोजेक्ट पर आपका ध्यान आकर्षित हो सकता है। इस क्षेत्र में कुछ पुराने मित्रों से आर्थिक सपोर्ट भी आपको मिलता दिख रहा है। अगर किसी की सहायता करेंगे तो आपको भी कुछ आर्थिक लाभ हो सकता है।

सिंह

आज सैर सपाटे की योजना बन सकती है। ऐसे में यात्रा के लिए आपको कुछ तैयारी करनी पड़ेगी। समय रहते कुछ अधूरे काम भी आपको पूरे करने होंगे। दोपहर के बाद भागदौड़ अधिक हो सकती है। ऐसे में जल्दबाजी के चक्कर में कोई भूल भी हो सकती है। सावधान रहें।

कन्या

आज यदि आप किसी काम के लिए संकल्प लेंगे तो वह कार्य पूर्ण करके ही दम लेंगे। किसी के एडमिशन या फिर यात्रा आदि से संबंधित कोई व्यवस्था करनी पड़ सकती है। किसी जरूरी वस्तु की खरीद करनी पड़ेगी। अटका हुआ पैसा भी निकालने में आप सफल रहेंगे।

तुला

आज परिवार में तीर्थ यात्रा आदि का कार्यक्रम बन सकता है। मित्रों के लिए कुछ धन की भी व्यवस्था करनी पड़ सकती है। यदि आप किसी एग्जाम परीक्षा के लिए तैयारी करना चाहते हैं तो फिर अपने घर के साधन भी व्यवस्थित करने होंगे। घर के वरिष्ठ सदस्य से टकराव मोल लेना आपके हित में नहीं होगा।

धनु

आज किसी खास सदस्य के खराब स्वास्थ्य के कारण घर परिवार का वातावरण कुछ परेशान करने वाला रहेगा। तनाव से उबरने का रास्ता यहीं है कि आज आप किसी मनोरंजक यात्रा पर निकल पड़ें। यदि आपके पास वाहन आदि नहीं भी हो तो सार्वजनिक वाहन का फायदा उठाया जा सकता है।

कुंभ

आज कार्यक्षेत्र के वातावरण में सुधार होगा। कठोर प्रकृति का व्यक्ति नज़रों से दूर रहेगा और वातावरण में हल्कापन और मनोरंजन का रंग छाया रहेगा। किसी सहकर्मी या बॉस के द्वारा पार्टी देने से और भी चहल पहल बढ़ेगी।

वृश्चिक

आज अपने बिजनेस या प्रोस्पेक्टस को सुधारने के लिए आवश्यक कदम उठाना पड़ेगा। आर्थिक क्षेत्र में अभी ज्यादा भागदौड़ देखने को नहीं मिलेगा। हल्की फुल्की देनदारियां चुकाने का समय है। हालांकि, इससे आपके कोष में कमी नहीं आएगी। परिजनों की कुछ मांग पूरी करनी पड़ सकती है।

मकर

आज शारीरिक शिथिलता और अस्वस्थता खत्म होगी। आपके द्वारा किए गए उपाय का अच्छा परिणाम देखने को मिलेगा। छोटे सदस्य या संतान की ओर से भी अच्छा समाचार मिलेगा। वस्त्र आदि का लाभ हो सकता है। किसी खराब पड़ी वस्तु का पुनः संचालन हो जायेगा।

मीन

आज आप कुछ मायूसी के मूड में रहेंगे। विपरीत हालातों से मन को व्यथा होगी। युवा वर्ग को दाम्पत्य जीवन अथवा प्रेम संबंधों को लेकर शिकायत रहेगी। ऐसे में जीवन साथी का भरोसा जीतना जरूरी होगा। कुछ जरूरी खर्चे भी सामने आएंगे। बुजुर्गों का सहयोग कुछ हद तक माहौल को ठीक करने में सहायक होगा।

वैश्विक सुस्ती के बीच मजबूत घरेलू मांग से भारत की ऊंची उड़ान

2026 में भी बनी रहेगी रफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि वर्ष 2026 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने की राह पर रहेगी और कठिन वैश्विक परिस्थितियों के बीच भी वह दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। यह आकलन यूएन के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग द्वारा जारी विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएं 2026 रिपोर्ट में किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में अनुमानित 7.4 प्रतिशत वृद्धि के बाद 2026 में भारत की आर्थिक रफ्तार कुछ हद तक मॉडरेट होकर 6.6 प्रतिशत रहने की संभावना है। इसके बावजूद, भारत वैश्विक स्तर पर प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे आगे रहेगा।

घरेलू मांग और सार्वजनिक निवेश से मजबूती: रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत निजी उपभोग, सार्वजनिक निवेश में तेजी, हालिया कर सुधार और ब्याज दरों में नरमी निकट अवधि में भारत की वृद्धि को सहारा देंगे। हालांकि, अगर मौजूदा दरें बनी रहती हैं तो ऊंचे अमेरिकी टैरिफ 2026 में निर्यात प्रदर्शन पर दबाव डाल सकते हैं, क्योंकि भारत के कुल निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग 18 प्रतिशत है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र ने यह भी स्पष्ट किया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और स्मार्टफोन जैसे प्रमुख निर्यात उत्पाद टैरिफ से मुक्त रहने की उम्मीद है। इसके अलावा, यूरोप और मध्य पूर्व जैसे अन्य बड़े बाजारों से मजबूत मांग अमेरिकी टैरिफ के असर को आंशिक रूप से संतुलित करेगी।

मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर बने रहेंगे ग्रोथ इंजन रिपोर्ट के मुताबिक, आपूर्ति पक्ष पर मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर का निरंतर विस्तार आने वाले वर्षों में आर्थिक वृद्धि का प्रमुख आधार बना रहेगा। भारत की वृद्धि को लचीली घरेलू खपत और मजबूत सार्वजनिक निवेश का समर्थन मिलेगा, जो ऊंचे अमेरिकी टैरिफ

के नकारात्मक प्रभाव को काफी हद तक कम करेगा।

संयुक्त राष्ट्र विकास एजेंसी (यूएन डीईएसए) के वैश्विक आर्थिक निगरानी प्रभाग के वरिष्ठ अर्थशास्त्री इंगो पिटर्ले ने बताया कि दक्षिण एशिया 5.6 प्रतिशत की दर से दुनिया का सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला क्षेत्र बना रहेगा और इसका बड़ा हिस्सा भारत से आएगा। उन्होंने कहा कि मजबूत घरेलू मांग, अच्छी फसल के कारण घटती महंगाई और निरंतर नीतिगत समर्थन भारत की वृद्धि को आगे बढ़ा रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति चालू वर्ष के पहले नौ महीनों में औसतन तीन प्रतिशत रही। महंगाई 4.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो केंद्रीय बैंक के लक्ष्य के करीब है। इससे भारतीय रिजर्व बैंक को ब्याज दरों में और कटौती की गुंजाइश मिल सकती है।

भारत में सकल स्थिर पूंजी निर्माण में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है, जिसका नेतृत्व भौतिक और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, रक्षा और नवीकरणीय ऊर्जा में सरकारी खर्च ने किया। रोजगार के मोर्चे पर स्थिति स्थिर रही, अक्तूबर 2025 में बेरोजगारी दर 5.2 प्रतिशत रही।

जीएसटी सुधार के बाद स्थिर व्यापार

एफवाय2026 की चौथी तिमाही से एफएमसीजी मांग में आ सकती मजबूती

नई दिल्ली, एजेंसी। उपभोक्ता वस्तुओं की कंपनियों के लिए मांग ग्रामेज (उत्पाद की मात्रा) बढ़ाकर जीएसटी दरों में कटौती का लाभ

में धीरे-धीरे सुधार के संकेत मिल रहे हैं। ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी कटौती के बाद व्यापारिक परिस्थितियां अब स्थिर हो रही हैं और सरकार के कई कदमों के चलते वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही से मांग में निरंतर सुधार देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद व्यापार में आई बाधाएं अक्तूबर और आंशिक रूप से नवंबर तक बनी रहीं, जिससे करीब 40 से 45 दिनों तक कारोबारी गतिविधियां प्रभावित रहीं। इस दौरान सप्लाई चेन और ट्रेड एडजस्टमेंट से जुड़ी चुनौतियों का असर मांग पर पड़ा। हालांकि, इसके बाद हालात में सुधार शुरू हुआ और आंशिक री-स्टॉकिंग से प्राथमिक ग्रोथ को सहारा मिला। मोतीलाल ओसवाल के मुताबिक, कंपनियां अब राजस्व वृद्धि में क्रमिक सुधार दर्ज कर सकती हैं, क्योंकि व्यापारिक व्यवधान धीरे-धीरे खत्म हो रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि कई कंपनियों ने कम कीमत वाले पैक्स में सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाया है। इससे बिना कीमत बढ़ाए बेहतर वैल्यू मिलने के कारण खासतौर पर पैकेज्ड फूड सेगमेंट में वॉल्यूम ग्रोथ को समर्थन मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा, अनुकूल सर्दियों का मौसम भी खपत बढ़ाने में मददगार माना जा रहा है। हेल्थ सप्लीमेंट्स, पर्सनल केयर उत्पाद, हॉट बेवरेजेज और अन्य सर्दी-संवेदनशील श्रेणियों में मांग मजबूत रहने की संभावना जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, ग्रामीण मांग में मजबूती बनी रहने की उम्मीद है, जो रिकवरी ट्रेंड्स से समर्थित है, वहीं शहरी बाजारों में भी उपभोक्ता भावना में सुधार के संकेत दिख रहे हैं। चौथी तिमाही से आगे की वृद्धि वास्तविक मांग स्थितियों को बेहतर ढंग से दर्शाएगी, क्योंकि तब तक व्यापारिक व्यवधान पूरी तरह सामान्य हो चुके होंगे। व्यापार, सरकार के सहायक उपाय, मौसमी मांग और कंपनियों की प्राइसिंग रणनीतियों के चलते उपभोक्ता स्टेपल कंपनियां से मांग में धीरे लेकिन टिकाऊ सुधार के चरण में प्रवेश कर सकती हैं।

वोडाफोन आइडिया के लिए बड़ी राहत

एजीआर बकाया भुगतान का शेड्यूल बदला, अब मार्च 2036 से शुरू होंगी मुख्य किश्तें

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज के बोझ तले दबी टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। कंपनी ने गुरुवार को स्टॉक एक्सचेंजों को दी गई एक नियामक फाइलिंग में जानकारी दी कि उसे दूरसंचार विभाग से समायोजित सकल राजस्व बकाये बकाये के बारे में एक महत्वपूर्ण अपडेट मिला है। इस नए निर्देश के अनुसार, कंपनी को अपने पुनर्मूल्यांकित एजीआर बकाये का बड़ा हिस्सा अब मार्च 2036 से चुकाना शुरू करना होगा। यह कदम नकदी संकट से जूझ रही इस टेलीकॉम कंपनी के लिए वित्तीय स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। दूरसंचार विभाग द्वारा दी गई राहत के तहत, वोडाफोन आइडिया के भुगतान शेड्यूल को पुनर्गठित किया गया है। फाइलिंग के

अनुसार, कंपनी को अगले एक दशक तक बहुत ही सीमित राशि का भुगतान करना होगा, जबकि मुख्य बकाये का भुगतान 2036 से शुरू होगा। कंपनी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, सरकार ने वोडाफोन आइडिया के एजीआर बकाये को 87,695 करोड़ रुपये पर फ्रीज कर दिया है। पहले की योजना के अनुसार, कंपनी को वित्त वर्ष 2031-32 से भुगतान शुरू करना था और 2040-41 तक इसे पूरा करना था, लेकिन नई व्यवस्था ने इस समयसीमा को और आगे बढ़ा दिया है। फाइलिंग में साफ किया गया है कि एजीआर बकाये में 2006-07 से 2018-19 तक की अवधि के लिए मूलधन, ब्याज, जुर्माना और जुर्माने पर ब्याज शामिल है। इन सभी को 31 दिसंबर, 2025 तक की स्थिति के अनुसार फ्रीज किया जाएगा। इस प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए, दूरसंचार विभाग एक विशेष समिति का गठन करेगा। यह समिति एजीआर बकाये का पुनर्मूल्यांकन करेगी। वोडाफोन आइडिया ने अपनी फाइलिंग में साफ तौर पर कहा है कि इस समिति का निर्णय ही अंतिम तौर पर मान्य होगा। पुनर्मूल्यांकन के बाद तय की गई राशि का भुगतान ही ऊपर बताए गए तीसरे चरण (2036-2041) के दौरान किया जाएगा। नया भुगतान शेड्यूल वोडाफोन आइडिया के लिए नकदी प्रवाह को प्रबंधित करने में मददगार साबित होगा। मार्च 2036 तक बड़े भुगतान को टालने से कंपनी को अपने परिचालन को सुधारने और नेटवर्क विस्तार पर ध्यान देने का मौका मिलेगा। हालांकि, कंपनी पर कुल देनदारी का बोझ बना हुआ है, लेकिन भुगतान की शर्तों में ढील से उसे तत्काल राहत जरूर मिली है।

जून 2026 में फिर महंगा हो सकता है मोबाइल रिचार्ज

15 प्रतिशत टैरिफ बढ़ोतरी के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी। जून 2026 से मोबाइल रिचार्ज करना और महंगा हो सकता है। जेफरीज की एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय दूरसंचार क्षेत्र की कंपनियां एक बार फिर मोबाइल टैरिफ में बड़ी बढ़ोतरी की तैयारी में हैं। विश्लेषकों का अनुमान है कि जून 2026 में मोबाइल सेवाओं की दरों में लगभग 15 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। यह संभावित बढ़ोतरी पिछले टैरिफ हाइक के ठीक दो साल बाद देखने को मिलेगी। ब्रोकरेज फर्म जेफरीज की एक ताजा रिपोर्ट में यह दावा किया गया है, जिसमें कहा गया है कि रिलायंस जियो के बहुप्रतीक्षित आईपीओ और सेक्टर के रेवेन्यू ग्रोथ को रफ्तार देने के लिए यह कदम बेहद अहम साबित होगा। जेफरीज के इक्विटी एनालिस्ट अक्षत अग्रवाल और आयुष बंसल द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार, 2026 की पहली छमाही में जियो के आईपीओ के आने की प्रबल संभावना है। विश्लेषकों का मानना है कि प्रस्तावित आईपीओ न केवल पूरे दूरसंचार क्षेत्र के वैल्युएशन को बढ़ाएगा, बल्कि यह मोबाइल सेवाओं की दरों में वृद्धि का आधार भी तैयार करेगा। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि जियो अपने मोबाइल टैरिफ में 10 से 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकता है। इसका मुख्य उद्देश्य अपनी वैल्युएशन को प्रतिद्वंद्वी भारती एयरटेल के करीब ले जाना और निवेशकों को दहाई अंक में इंटरनल रेट ऑफ रिटर्न प्रदान करना है। टैरिफ में इस संभावित बढ़ोतरी का सीधा असर टेलीकॉम कंपनियों की कमाई पर दिखेगा। रिपोर्ट का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2027 में सेक्टर की रेवेन्यू ग्रोथ रेट वित्त वर्ष 2026 के मुकाबले दोगुनी से अधिक हो जाएगी। जहां एफवाय26 में यह ग्रोथ 7 प्रतिशत रहने का अनुमान है, वहीं एफवाय27 में इसके 16 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। जून 2026 में 15 प्रतिशत हेडलाइन टैरिफ हाइक के चलते वित्त वर्ष 2027 में प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व में भी 14 प्रतिशत की स्वस्थ वृद्धि देखने को मिल सकती है।

जेट विमानों के लिए होगा काम

ब्राजील की कंपनी से अडानी समूह की बड़ी डील

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी समूह ने ब्राजील की एयरलाइन स्टार एयर की सेवाओं में शामिल हैं। भारतीय

प्रमुख एयरोस्पेस कंपनी एम्ब्रेयर के साथ भारत में उसके क्षेत्रीय जेट विमानों के लिए अंतिम असेंबली लाइन (एफएएल) स्थापित करने को लेकर एक प्रारंभिक समझौता किया है। सूत्रों के मुताबिक, इस संबंध में अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस और एम्ब्रेयर के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। हालांकि, इस प्रस्तावित परियोजना के विवरण का तत्काल पता नहीं चल सका है। इस मामले में अडानी समूह और एम्ब्रेयर की तरफ से कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। बता दें कि एम्ब्रेयर ने भारत में मौजूद बड़े अवसरों को देखते हुए अक्टूबर 2025 में राष्ट्रीय राजधानी में अपना कार्यालय स्थापित किया था। कंपनी के ई-जेट विमानों ने वर्ष 2005 में भारत में परिचालन शुरू किया था। फिलहाल एम्ब्रेयर कंपनी के करीब 50 विमान भारत में भारतीय वायुसेना, सरकारी एजेंसियों, बिजनेस जेट ऑपरेटरों और क्षेत्रीय विमानन क्षेत्र में पहले से मजबूत मौजूदगी रखने वाला अडानी समूह, एम्ब्रेयर के साथ साझेदारी के जरिये भारत में विमान निर्माण के क्षेत्र में कदम रखने जा रहा है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब केंद्र सरकार नागर विमानन क्षेत्र में मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने पर जोर दे रही है। फिलहाल भारत में असैन्य विमानों की कोई फाइनल असेंबली लाइन मौजूद नहीं है। पिछले वर्ष नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा था कि क्षेत्रीय परिवहन विमान निर्माण के लिए एक विशेष प्रयोजन इकाई (एसपीवी) स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है और विमान एवं उसके पुर्जों के निर्माण के लिए आवश्यक नीतियां मौजूद हैं। राउल विलारोन ने नवंबर 2025 में कहा था कि भारत एशिया का एक बड़ा और अब तक अपेक्षाकृत अछूता बाजार है, जहां प्रतिस्पर्धी सीट लागत वाले विमानों की व्यापक संभावनाएं हैं।

ईपीएफओ करने जा रहा बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। ईपीएफओ सदस्यों के लिए बड़ी डिजिटल सुविधा आने वाली है। अब भविष्य निधि से पैसा निकालना और भी आसान होने जा रहा है। ईपीएफओ जल्द ही भीम यूपीआई ऐप के जरिए इंस्टेंट एडवांस विड्रॉल की सुविधा शुरू करने वाला है। इससे देश के करीब 30 करोड़ से ज्यादा ईपीएफओ मेंबर्स को फायदा होगा। माना जा रहा है कि यह सुविधा अगले 2-3 महीनों में शुरू हो सकती है। यह सिस्टम कुछ हद तक एटीएम से पैसे निकालने जैसा होगा, यानी जरूरत पड़ने पर तुरंत पीएफ से पैसा मिल सकेगा। यह कदम ईपीएफओ के बड़े डिजिटल बदलाव का हिस्सा है, जो 26 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के पीएफ फंड को मैनेज करता है। इस नई व्यवस्था के लिए ईपीएफओ ने एनपीसीआई के साथ साझेदारी की है। भीम ऐप पर ईपीएफओ सदस्य हेल्थ, पढ़ाई, शादी या किसी खास परिस्थिति जैसी अनुमत कैटेगरी में पीएफ एडवांस के लिए क्लेम डाल सकेंगे। क्लेम डालते ही ईपीएफओबैकएंड में उसकी जांच और वेरिफिकेशन करेगा। सब सही रहने पर मंजूर की गई रकम सीधे एसबीआइ के जरिए मेंबर के यूपीआई से जुड़े बैंक अकाउंट में तुरंत ट्रांसफर कर दी जाएगी।

2025 में टेक कंपनियों में छंटनी का सिलसिला जारी

एआई का दौर, फिर भी नौकरियों पर संकट

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रोबोटिक्स समेत नई तकनीक अपनाने पर जोर के बावजूद दुनियाभर की टेक कंपनियों ने 2024 के मुकाबले 2025 में करीब 20 फीसदी कम छंटनी की। इस दौरान अमेरिकी कंपनी इंटेल ने दो बार में सर्वाधिक 27,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। कंपनी ने पहली बार अप्रैल, 2025 में 22,000 और जुलाई, 2025 में 5,000 छंटनी की थी।

लेऑफ्स डॉट एफवाईआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, बीते साल भारत समेत दुनियाभर की 257 टेक कंपनियों ने 1,22,549 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। यह आंकड़ा 2024 में 551 कंपनियों से निकाले गए 1,52,922 कर्मचारियों की तुलना में 19.86 फीसदी कम है। साल 2023 में वैश्विक स्तर पर 1,193 कंपनियों ने 2,64,320 लोगों की छंटनी की थी, जबकि 2022 में 1,064 संस्थाओं ने 1,65,269 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया था। विशेषज्ञों का कहना है कि दुनियाभर की टेक कंपनियों में एट्रिशन रेट (कर्मचारियों के कंपनी छोड़ने की दर) काफी ज्यादा है। साथ ही, कुशल पेशेवरों की कमी के बावजूद टेक कंपनियों में लगातार छंटनी चिंता की बात है।?

कंपनियों की खर्च में कटौती का नतीजा: विशेषज्ञों का कहना है कि अधिक एट्रिशन रेट और कुशल पेशेवरों की कमी से जूझ रहीं टेक कंपनियों में छंटनी की कई वजहें हैं। वैश्विक अनिश्चितता और टैरिफ वॉर के बीच मंदी की बढ़ती आशंका ने कंपनियों की चिंता बढ़ा दी है, जो कमाई के मोर्चे पर जूझ रही हैं। इसके अलावा, कई देशों में तनाव के बाद आपूर्ति शृंखला से जुड़ीं समस्याओं और महंगाई बढ़ने के कारण लागत वृद्धि से जूझ रहीं कंपनियां खर्च में कटौती कर रही हैं, जिसका असर छंटनी के रूप में दिख रहा है। भारत में बीते साल टाटा समूह की कंपनी टीसीएस (टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज) ने सबसे ज्यादा 12,000 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाला था। कंपनी ने रिस्ट्रक्चरिंग और स्किल मिसमैच का हवाला देकर इतनी बड़ी संख्या में छंटनी की थी, जिसे लेकर विरोध भी हुआ था।

सॉफ्टबैंक ने ओला इलेक्ट्रिक में 2.15 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान की बहुराष्ट्रीय निवेश कंपनी सॉफ्टबैंक ने भारत की इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बनाने वाली कंपनी ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में अपनी हिस्सेदारी को और कम कर दिया है। कंपनी ने ओपन मार्केट ट्रांजेक्शन के जरिए 2.15 प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री की है। स्टॉक एक्सचेंजों को दी गई विनियामक फाइलिंग के अनुसार, यह बिक्री सॉफ्टबैंक की निवेश इकाई एसवीएफ सेकंड ऑस्ट्रिच (डीई) एलएलसी जरिए की गई। यह कदम सॉफ्टबैंक की ओर से भारतीय ईवी बाजार की प्रमुख कंपनी में अपने निवेश को आंशिक रूप से भुनाने की रणनीति का हिस्सा है। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर से बीएसई को भेजी गई फाइलिंग के मुताबिक, सॉफ्टबैंक की इकाई एसवीएफ ऑस्ट्रिच ने कुल 9 करोड़ 46 लाख 28 हजार 299 इक्विटी शेयरों का निपटान किया है। शेयरों की यह बिक्री एक लंबी अवधि के दौरान कई चरणों में की गई है। फाइलिंग में बताया गया है कि यह विनिवेश प्रक्रिया 3 सितंबर, 2025 से 5 जनवरी 2026 के बीच पूरी की गई।

भारतीय बाजार में फिर आएंगी चीनी कंपनियां?

● ट्रंप पाबंदियां हटाने की तैयारी में सरकार, पाबंदियों के कारण प्रोजेक्ट में देरी हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार उन चीनी कंपनियों पर से पाबंदियां हटाने की योजना बना रही है जो सरकारी ठेकों के लिए बोली लगाती हैं। सूत्रों के अनुसार वित्त मंत्रालय उन नियमों को खत्म करने की तैयारी में है, जिनके तहत चीनी कंपनियों को भारत में सरकारी प्रोजेक्ट्स के लिए बोली लगाने से पहले कड़ी सुरक्षा जांच और रजिस्ट्रेशन से गुजरना पड़ता था।

साल 2020 में गलवान घाटी में भारत-चीन सीमा पर हुई हिंसक झड़प के बाद ये पाबंदियां लगाई गई थीं। इसकी वजह से चीनी कंपनियां करीब 700-750 अरब डॉलर के भारतीय सरकारी ठेकों की दौड़ से बाहर हो गई थीं। पाबंदियों के तहत चीनी कंपनियों को बोली लगाने के लिए भारतीय

सरकारी समिति के साथ रजिस्ट्रेशन करवाना और राजनीतिक और सुरक्षा मंजूरी प्राप्त करना जरूरी था। रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से कहा कि अधिकारी रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता को हटाने पर काम कर रहे हैं। इस संबंध में पीएमओ अंतिम निर्णय लेगा। रिपोर्ट के अनुसार चीनी कंपनियों पर लगी पाबंदियों का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा। जब 2020 में पाबंदियां लगीं, तो चीन की कंपनी सीआरआरसी को ?1800 करोड़ रुपये के ठेके से बाहर कर दिया गया था।

कई सरकारी विभागों ने कहा कि चीन से मशीनें और सामान न आने के कारण उनके प्रोजेक्ट्स लटके हुए हैं। खास तौर पर बिजली घर बनाने का काम धीमा पड़ गया है, क्योंकि भारत अगले 10 साल में अपनी बिजली क्षमता बढ़ाना चाहता है और उसके लिए जरूरी सामान चीन से आता है। पूर्व कैबिनेट सचिव राजीव गौबा की अध्यक्षता वाली एक उच्च-स्तरीय समिति ने भी पाबंदियों में ढील देने की सिफारिश की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है और अमेरिका की नजदीकियां पाकिस्तान के साथ बढ़ रही हैं। पिछले साल, मोदी ने सात साल में पहली बार चीन का दौरा किया था। इस दौरे के बाद, भारत और चीन ने सीधी उड़ानें फिर से शुरू कीं और नई दिल्ली ने चीनी प्रोफेशनल्स के लिए बिजनेस वीजा अप्रूवल में तेजी लाने के लिए कागजी कार्रवाई कम की। हालांकि भारत सतर्क है क्योंकि चीनी कंपनियों से विदेशी प्रत्यक्ष निवेश पर प्रतिबंध अभी भी लागू हैं।

MIRAE ASSET
Mutual Fund

In order to impart an insight on mutual fund, to educate and create awareness among the investors about the financial market, Mirae Asset Mutual Fund undertakes numerous events and activities at various places across the country and in number of ways such as conducting Investor Awareness Programs (IAPs) / seminars, contents on investor awareness in print media (newspapers, magazines etc.) and programs on Mutual Funds in electronic media (TVs, radios etc.).

In this regard, please see below schedule of upcoming IAP:

Date	Time	Address
January 18, 2026*	7:00 P.M.	Hotel K.C., Cross Road, Sector-10, Panchkula, Haryana.

Note: *This IAP has been rescheduled from 11 January 2026 to 18 January 2026.

MIRAE ASSET MUTUAL FUND (Investment Manager: Mirae Asset Investment Managers (India) Private Limited. CIN - U65990MH2019PTC324625)
Registered & Corporate Office: 606, 6th Floor, Windsor Building, Off CST Road, Kalina, Santacruz (E), Mumbai - 400098. ☎ 1800 2090 777 (Toll free), ✉ customercare@miraeasset.com 🌐 www.miraeassetmf.co.in

Mutual Fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.

AD Size: 12x8 = 96 Sq.cms.
Rates for Hind Janpath (Hindi) - Panchkula Edition is Rs.50/- per sq.cms.
Total Cost: Rs.50 x 96 = Rs.4,800/- (GST/IGST @ 5% as applicable)

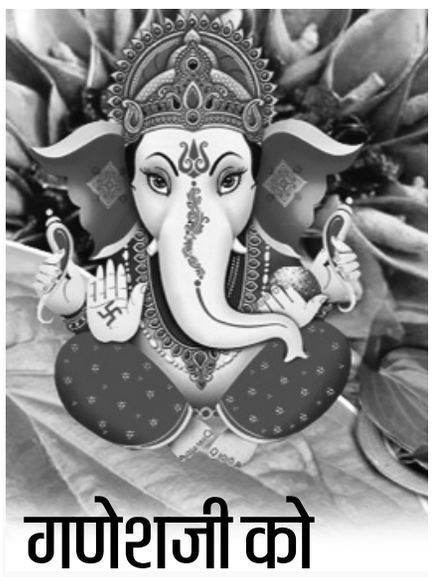

गणेशजी को बेहद प्रिय है पान का पत्ता

पान के पत्ते का महत्व धार्मिक कार्यों में बहुत खास माना गया है और भगवान को अर्पित की जाने वाली वस्तुओं में पान का पत्ता जरूर शामिल किया जाता है। गणेशजी को पान सबसे प्रिय होता है, इसलिए उनकी पूजा में पान जरूर चढ़ाया जाता है। आज हम आपको पान के कुछ ऐसे उपाय बता रहे हैं जिनको करने से गणेशजी के साथ ही अन्य देवी और देवता भी प्रसन्न होंगे।

गणेशजी को पान बेहद प्रिय है और उनकी पूजा में पान अर्पित करना बहुत ही शुभफलदायी माना जाता है। शास्त्रों में पान को पुंगी फल कहा जाता है और भगवान को पान अर्पित करने से आपके घर में धन वृद्धि होती है और आपको सुख समृद्धि प्राप्त होती है। आज हम आपको बताने ता रहे हैं पान के कुछ खास उपाय। इन उपायों को करने से आपके सभी कष्ट दूर हो जाएंगे और बप्पा आपके जीवन में शुभ लाभ प्रदान करेंगे। आइए देखें कौन से हैं ये उपाय।

नए काम में सफलता के लिए

अगर आप कोई भी नया कार्य करने जा रहे हैं। कोई नया कारोबार शुरू करना चाहते हैं या फिर कहीं इंटरव्यू देने जा रहे हैं तो गणेशजी को पान के पत्ते पर लौंग और सुपारी अर्पित करके काम पर जाएं। ऐसा करने से आपको उस कार्य में सफलता मिलेगी। नई नौकरी में पद और वेतन आपको अपने मन के मुताबिक मिलेगा। लौटकर जब घर आएं तो इस पान सुपारी को प्रसाद के रूप में परिवार के सभी सदस्यों के बीच में बांट दें।

पान के पत्तों से शिवजी को करें प्रसन्न

गणेशजी के साथ ही भगवान शिव भी पान के पत्ते अर्पित करने से बहुत प्रसन्न होते हैं। पान के पत्ते में गुलकंद, कत्था, सुपारी, लौंग और इलाइची रखकर भगवान शिव को अर्पित करने से वह जल्द ही प्रसन्न होकर जातकों के मन की हर इच्छा पूर्ण करते हैं।

पान के पत्तों से दूर करें नजर दोष

वास्तु में पान के पत्तों का महत्व बहुत ही खास माना गया है। कहते हैं पान के अंदर नकारात्मक ऊर्जा को नष्ट करने की क्षमता होती है। अगर परिवार में किसी के ऊपर नजर दोष होने का शक है तो उस व्यक्ति को पान के पत्ते के साथ गुलाब की 7 पंखुड़ियां रखकर खिला दें। ऐसा करने से नजर का दोष दूर होता है और व्यक्ति स्वस्थ खुशहाल होता है।

धन की प्राप्ति के लिए पान का उपाय

अगर काफी मेहनत के बाद भी आपको धन कमाने में सफलता नहीं मिल रही है तो पान का यह उपाय आप करके देख सकते हैं। शुक्रवार के दिन पान के पत्ते पर सफेद बर्फी रखकर मां लक्ष्मी को अर्पित करें। ऐसा करने से मां लक्ष्मी आपसे प्रसन्न होंगी और आपके घर को धन से भर देंगी।

कौन थे भगवान स्वामीनारायण अक्षरधाम जैसे हैं दुनिया में जिनके कई मंदिर

आपने स्वामी नारायण संप्रदाय के भव्य मंदिरों को देखा होगा। गुजरात और दिल्ली सहित देश और दुनिया में इस संप्रदाय के हजारों मंदिर है। आओ जानते हैं कि कौन है भगवान स्वामीनारायण, जिनके नाम पर है एक प्रसिद्ध गाना...स्वामी नारायण नारायण हरि हरि भजमन नारायण नारायण हरि हरि।

अप्रैल 1781 में अयोध्या के पास छपिया नामक गांव में घनश्याम पांडे का जन्म हुआ। हाथ में पद्म और पैर से बज्र, ऊर्ध्व रेखा तथा कमल जैसे दिखने वाले चिन्ह देखकर ज्योतिषियों ने कहा कि यह बालक लाखों लोगों के जीवन को सही दिशा देगा। जन्म के 5 वर्ष की अवस्था में उन्होंने विद्या आरंभ की। 8 वर्ष की आयु में उनका जनेऊ संस्कार हुआ। इस संस्कार के बाद उन्होंने अनेकों शास्त्रों को पढ़ लिए। जब वे 11 वर्ष के हुए तब उनके माता-पिता हरिप्रसाद पांडे और प्रेमवती पांडे का देहांत हो गया। इसके बाद वे घर छोड़कर संन्यासी बनकर पूरे देश की परिक्रमा करने के लिए निकल पड़े। इसी दौरान उनकी नीलकंठ वर्णी के रूप में पहचान स्थापित हो चली थी। इस दौरान उन्होंने गोपाल योगी से अष्टांग योग सीखा।

कुछ समय बाद स्वामी रामानंद ने नीलकंठ वर्णी को पीपलाणा गांव में दीक्षा देकर उनका नाम सहजानंद रख दिया। एक साल बाद जैतपुर में उन्होंने सहजानंद को अपने सम्प्रदाय का आचार्य पद भी दे दिया। रामानंद के जाने के बाद सहजानंद जी गांव गांव जाकर स्वामी नारायण मंत्र का जप करने और भजन करने की अलख जगाने लगे। भारत के कई प्रदेशों में भ्रमण करने के बाद वे गुजरात आकर रुके। यहां उन्होंने अपने एक नए संप्रदाय की शुरुआत की और उनके सभी अनुयायियों ने इस संप्रदाय को अंगीकार किया। तब वे पुरुषोतम नारायण कहलाए जाने लगे। उन्होंने देश में फैली कुरीतियों को खत्म करने के लिए कई कार्य? किए और जब भी देश में प्राकृतिक आपदाएं आई तो उन्होंने अपने अनुयायियों की मदद से लोगों की सेवा की। इस सेवाभाव के चलते लोग उन्हें अवतारी मानने लगे और इस तरह उन्हें स्वामी नारायण कहा जाने लगा। घनश्याम पांडे से नीलकंठवर्णी, नीलकंठ वर्णी से वे पुरुषोत्तम सहजानंद स्वामी और बाद में स्वामी नारायण बन गए।

मानव जाति और धर्म के लिए सेवाभाव की प्रेरणा देते हुए साल 1830 में स्वामीनारायण का देहांत हो गया, लेकिन उनके मानने वाले आज दुनिया के कोने-कोने में हैं जो उन्हें भगवान मानते हैं। उनकी मंदिरों में मूर्तियां स्थापित करके अब उनकी पूजा होने लगी है और साथ ही मंदिरों के माध्यम से भी उनका जीवन दर्शन देखा जा सकता है। जबकि सहजानंद ने नारायण नारायण जपने और श्रीहरि की भक्ति को ही सर्वोपरि माना।

षटतिला एकादशी 2026 ऐसे करें भगवान विष्णु को प्रसन्न

षटतिला एकादशी के दिन भगवान श्री विष्णु का पूजन करने तथा नहाने के जल में तिल मिलाकर स्नान करने, तिल का दान तथा तिल से हवन और तर्पण आदि करने का बहुत महत्व है। मान्यतानुसार इस दिन तिल का अधिक से अधिक उपयोग करने से ज्यादा पुण्य फल मिलता है।

प्रत्येक वर्ष माघ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को षटतिला एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस साल यह व्रत 14 जनवरी को है। इस दिन जगत के पालनहार भगवान श्री हरि विष्णु की विधि-विधान से पूजा की जाती है।

प्रत्येक वर्ष माघ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को षटतिला एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस दिन जगत के पालनहार भगवान श्री हरि विष्णु की विधि-विधान से पूजा की जाती है। व्रत और पूजा के साथ ही इस एकादशी पर भगवान विष्णु को तिल का भोग लगाया जाता है। साथ ही तिल का दान भी किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि षटतिला एकादशी के दिन तिल का दान करने से स्वर्ग की प्राप्ति होती है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन जो व्यक्ति जितना तिल दान करता है, उसे उतने हजार वर्ष तक स्वर्ग में स्थान प्राप्त होता है।

षटतिला एकादशी पूजा विधि

- षटतिला एकादशी व्रत रखने वाले दिन गंध, फूल, धूप दीप, पान सहित विष्णु भगवान की षोडशोपचार से पूजन करें।
- उड़द और तिल मिश्रित खिचड़ी बनाकर भगवान को भोग लगाएं।
- रात को तिल से 108 बार ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय स्वाहा इस मंत्र से हवन करें।
- रात को भगवान के भजन करें, अगले दिन ब्राह्मणों को भोजन करवाएं।
- इसके बाद ही स्वयं तिल युक्त भोजन करें।

षटतिला व्रत का महत्व

हिंदू धर्म षटतिला एकादशी का बहुत ज्यादा महत्व है। इस व्रत के प्रभाव से घर में सुख-शांति के वास होता है। इस दिन तिल का विभिन्न तरह से इस्तेमाल करके हर कष्ट से छुटकारा पाया जा सकता है। इस व्रत को करने से जातक पर श्री हरि विष्णु की कृपा बनी रहती है।

गणेश जी ने कैसे तोड़ा कुबेर देव का घमंड

गणेश जी की कथाओं में जीवन प्रबंधन के सूत्र बताए गए हैं, इन सूत्रों को जीवन में उतारने पर हम कई परेशानियों से बच सकते हैं। यहां जानिए गणेश जी और कुबेर देव की कथा, जिसमें भगवान ने कुबेर देव का घमंड तोड़ा था।

देवताओं के कोषाध्यक्ष को एक दिन अपने पद और धन का घमंड हो गया है। इसी घमंड में वे शिव जी के पास पहुंच गए और शिव जी को सपरिवार अपने महल में खाने के लिए निमंत्रण दिया। शिव जी ने कहा कि आप हमें खाना खिलाएंगे, इससे अच्छा तो ये है कि आप जरूरतमंद लोगों को खाना खिलाएं।

कुबेर ने कहा कि भगवन, मेरे पास बहुत धन है और मैं जरूरतमंद लोगों को तो खाना खिलाता रहता हूं, लेकिन आज मेरी इच्छा है कि मैं आपके परिवार को भी खाना खिलाऊं। शिव जी समझ गए कि कुबेर को अपने धन और पद का घमंड हो गया है। उन्होंने कहा कि मैं तो कहीं आता-जाता नहीं हूं, आप एक काम करें, गणेश को अपने साथ ले जाएं। उन्हें भोजन करा दीजिए, लेकिन ध्यान रखें गणेश की भूख आसानी से शांत नहीं होती है।

कुबेर ने कहा कि मैं सभी को खाना खिलाता हूं तो गणेश जी को भी खिला दूंगा। खाने का निमंत्रण पाकर गणेश जी कुबेर के महल पहुंच गए। कुबेर ने उनके लिए बहुत सारा खाना बनवाया। गणेश जी खाने बैठे तो वे खाए जा रहे थे, थोड़ी ही देर में कुबेर की रसोई का पूरा खाना खत्म हो गया। गणेश जी ने और खाना मांगा। कुबेर ये देखकर घबरा गए। उन्होंने और खाना तुरंत बनवाया तो वह भी खत्म हो गया। गणेश जी बार-बार खाना मांग रहे थे। कुबेर ने गणेश जी के सामने हाथ जोड़ लिए और कहा कि अब तो मेरे घर का सारा खाना खत्म हो गया है। मैं और खाना नहीं खिला सकता।

गणेश जी ने कहा कि लेकिन मेरी भूख तो अभी शांत ही नहीं हुई है। मुझे अपने रसोईघर में ले चलो। कुबेर गणेश जी को रसोईघर में ले गए तो वहां रखी सभी चीजें गणेश खा गए। गणेश जी अब भी भूखे थे। उन्होंने कहा कि मुझे भंडार गृह में ले चलो, जहां खाने का कच्चा सामान रखा है। कुबेर भगवान को अपने भंडार गृह में ले गए तो गणेश जी ने वहां रखी खाने की सभी चीजें भी खा लीं। अब तो कुबेर देव की बुद्धि ने काम करना बंद कर दिया। वे तुरंत ही शिव जी के पास पहुंच गए। उन्होंने शिव जी को पूरी बात बता दी। शिव जी ने गणेश जी से कहा कि जाओ, माता पार्वती को बुलाकर लाओ। मां पार्वती को देखकर गणेश ने कहा कि मां, कुबेर देव के खाने से मेरी भूख शांत नहीं हुई है। मुझे खाने के लिए कुछ दीजिए। पार्वती अपने रसोईघर में गईं और खाना बनाकर ले आईं। उन्होंने जैसे ही देवी ने गणेश जी को अपने हाथ से खाना खिलाया तो गणेश तृप्त हो गए। मां और खिलाने लगी तो गणेश जी ने कहा, मां मेरा पेट भर गया है। अब मैं नहीं खा सकता। ये सब देखकर कुबेर देव का घमंड टूट गया और उन्हें अपनी गलती समझ आ गई। कुबेर ने सभी से क्षमा मांगी। इस तरह भगवान गणेश ने कुबेर देव का पद और धन का घमंड तोड़ दिया। भगवान हमें यही संदेश दिया है कि जो लोग अपने पद और धन का घमंड करते हैं, उन्हें बाद में पछताना पड़ता है। इस बुराई को जल्दी से जल्दी छोड़ देना चाहिए।

इस गुफा में आज भी रखा है गणेशजी का कटा हुआ सिर

आज हम आपको पता रहे हैं कि एक गुफा के बारे में, जहां आज भी भगवान गणेश का कटा हुआ सिर रखा हुआ है। जब भगवान शिव ने क्रोध में आकर गणेशजी का सिर धड़ से अलग कर दिया था, तब बाद में माता पार्वती के कहने पर हाथी मस्तक लगा दिया था। उसके बाद कटे हुए सिर को शिवजी ने एक गुफा में सुरक्षित रख दिया था।

पहाड़ के 90 फीट अंदर है गुफा

भगवान शिव ने जहां भगवान गणेश का सिर रखा था, यह गुफा उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में स्थित है। इस गुफा को पाताल भुवनेश्वर के नाम से जाना जाता है। ये गुफा पहाड़ के करीब 90 फीट अंदर है। यहां विराजित गणेशजी की मूर्ति को आदिगणेश के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि इस गुफा की खोज 1191 ई. में आदिशंकराचार्य द्वारा की गई थी। इसका वर्णन स्कंद पुराण के मानस खंड में किया गया है।

इस दिन होगा कलियुग का अंत

पाताल भुवनेश्वर गुफा में चार युगों का प्रतीक के रूप में चार पत्थर मौजूद हैं। इनमें से एक पत्थर धीरे धीरे उपर उठ रहा है, उस पत्थर को कलयुग का प्रतीक माना जाता है। यह पत्थर एक हजार साल में एक बढ़ता है। बताया जाता है कि जिस दिन यह पत्थर दीवार से टकरा जाएगा, उस दिन कलियुग का अंत हो जाएगा।

शिवजी के साथ तैंतीस कोटि देवता हैं विराजमान

पाताल भुवनेश्वर गुफा के बारे में बताया जाता है कि यहां भगवान गणेश और शिव के साथ तैंतीस कोटि देवी देवता विराजमान हैं। इस गुफा में बद्रीनाथ, केदारनाथ और अमरनाथ के भी दर्शन होते हैं। बद्रीनाथ में बद्री पंचायत की शिला रूप मूर्तियां हैं, जिनमें यम कुबेर, वरुण, लक्ष्मी, गरुड़ और गणेशजी शामिल हैं। इस पंचायत के ऊपर बाबा अमरनाथ की गुफा है और पत्थर की बड़ी बड़ी जटाएं फैली हुई हैं।

मस्तक पर टपकती है दिव्य बूंद

पाताल भुवनेश्वर गुफा में काल भैरव जीभ के भी दर्शन होते हैं। मान्यता है कि काल भैरव के मुंह से गर्भ में प्रवेश कर उसके अंत तक यानी पूंछ तक पहुंच जाएं तो उसको मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है। गुफा में भगवान गणेश की शिला रूपी मूर्ति के उपर 108 पंखुड़ियों वाला शबाष्टक दल ब्रह्मकमल शोभायमान है। इस ब्रह्मकमल से भगवान गणेश के मस्तक पर जल की दिव्य बूंद टपकती है। मुख्य बूंद आदि गणेश के मुख पर गिरती दिखाई देती है।

हार्दिक पंड्या ने तोड़ा BCCI का नियम

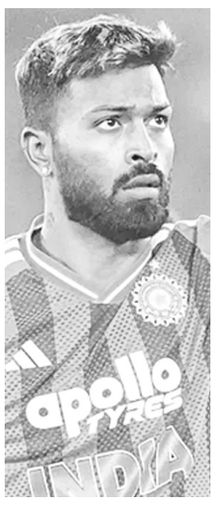

जिसपर लगी थी रोक बीच मैदान वो ही किया

नई दिल्ली, एजेंसी। विजय हजारे ट्रॉफी में हार्दिक पंड्या ने एक बार फिर कमाल प्रदर्शन किया. इस खिलाड़ी ने चंडीगढ़ के खिलाफ अपनी टीम को दमदार जीत दिलाई. पहले बल्लेबाजी करते हुए बढ़ौदा ने 391 रन बनाए और जवाब में चंडीगढ़ की टीम 242 रनों पर ढेर हो गई. हार्दिक पंड्या ने इस मुकाबले में 31 गेंदों में 75 रन बनाए. उन्होंने अपनी पारी में 9 छक्के और 2 चौके लगाए. उनका स्ट्राइक रेट 240 से ज्यादा रहा. लेकिन इसके बाद पंड्या ने कुछ ऐसा किया जो बीसीसीआई के नियमों के खिलाफ था.

- पंड्या ने नहीं मानी बीसीसीआई की बात- दरअसल चंडीगढ़ के खिलाफ 75 रनों की पारी खेलने के बाद पंड्या गेंदबाजी करने भी आ गए. उन्होंने ओपन बॉलिंग तो की ही साथ ही 10 ओवर भी फेंक दिए. अपने स्पेल में पंड्या ने 10 ओवर में 66 रन देकर 3 विकेट हासिल किए. यहां खास बात ये है कि पंड्या को बीसीसीआई सीओई ने बॉलिंग की इजाजत नहीं दी है.

प्रेमानंद महाराज की शरण में आकर WWE स्टार बना शिष्य

भक्ति के लिए छोड़ दी दुनियादारी...

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रेमानंद महाराज के साथ WWE स्टार रह चुके रिंकू सिंह राजपूत (वीर महान) ने एक सेल्फी शेयर की, जो अब वायरल है और इसे उनके फैन्स और प्रेमानंद महाराज के भक्त खूब पसंद कर रहे हैं. रिंकू सिंह राजपूत अब एक लंबे अर्से से प्रेमानंद महाराज जी के साथ ही नजर आते हैं, उनके सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हैं. वहीं वो खुद भी कभी कभार अपने वीडियो शेयर करते हैं. रिंकू सिंह

राजपूत की बात की जाए तो वो तब चर्चा में आए जब उन्होंने 12 सितंबर 2023 को एक वीडियो शेयर किया था और कहा था कि अगर आप आज्ञा दें तो वह यहीं (वृंदावन) आ जाते हैं. इसके बाद रिंकू सिंह राजपूत एक बार फिर प्रेमानंद महाराज से मिलने गए, और 9 दिसंबर 2024 को एक वीडियो शेयर किया और भगवत भक्ति में आने की बात कही थी. तब उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा था- नाथ अब कहीं भी भटकना गवारा नहीं,बस आपकी शरण में ही हम भारतवसियों का सहारा सही... रिंकू सिंह राजपूत अब ज्यादातर समय वृंदावन में ही नजर आते और भगवान की भक्ति में लीन हैं. वह साल 2012 में वह पूरी तरह शाकाहारी बन गए थे.

एसए-20 शानदार मंच पर IPL से तुलना नहीं कर सकते : जेपी डुमिनी

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज जेपी डुमिनी ने एसए20 लीग को दक्षिण अफ्रीका और दुनिया भर के खिलाड़ियों के लिए शानदार मंच करार दिया लेकिन साथ ही कहा कि इसकी तुलना इंडियन प्रीमियर लीग से नहीं की जा सकती। डुमिनी ने कहा कि एसए20 लीग की शुरुआत से स्थानीय प्रतिभावान खिलाड़ियों को दुनिया भर के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने के अधिक अवसर मिल रहे हैं जिससे देश के क्रिकेट को फायदा हो रहा है। डुमिनी ने एसए20 द्वारा आयोजित ऑनलाइन मीडिया बातचीत के दौरान कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इसे आप आईपीएल के

बराबर रख सकते हैं। मेरे लिए आईपीएल गोल्ड स्टैंडर्ड है। और यह हमेशा ऐसा ही रहेगा। मुझे लगता है कि आप आईपीएल से जरूर सीख सकते हैं। हमारे लिए एसए20 निश्चित रूप से एक दीर्घकालीन विजन है।' उन्होंने कहा, 'और इससे भी जरूरी बात यह है कि विश्व स्तरीय ढांचे के साथ दक्षिण अफ्रीकी प्रतिभा पर जोर दिया जा रहा है। आप उस प्रतिभा को कैसे ढूंढते हैं और एक और मंच कैसे देते हैं जिससे कि बेहद दबाव वाले और शीर्ष स्तरीय माहौल के बीच दक्षिण अफ्रीकी चयनकर्ताओं को खिलाड़ियों को चुनने का मौका मिले।' डुमिनी ने कहा, 'जब 2008-2009 में आईपीएल शुरू हुआ तो भारतीय खिलाड़ियों को दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिला। यह आपके प्रदर्शन और आपकी सोच को बेहतर बनाता है। और मुझे लगता है कि एसए20 के पास भी अब यही मौका है।' एसए20 लीग के प्रभाव का जिक्र करते हुए डुमिनी ने कहा, 'यह दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खेलना है, दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के खिलाफ खेलना है। आपको खुद को बेहतर बनाना होगा। यह दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों के साथ दुनिया भर के खिलाड़ियों के लिए अच्छा प्रदर्शन करके चयन के मौके पाने का अवसर है। और मुझे लगता है कि यह एक और शानदार मंच देता है।'

चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटीं

वुहान, एजेंसी। चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटने की घोषणा की है, उन्होंने कहा कि वह अभी तक अपनी पसंदीदा प्रतिस्पर्धी स्थिति में नहीं पहुंची हैं। झेंग ने सोशल मीडिया पर एक बयान पोस्ट किया, जिसमें कहा गया कि यह फैसला उनकी टीम द्वारा सावधानीपूर्वक मूल्यांकन और मेडिकल सलाह के बाद लिया गया है। हालांकि झेंग ने कहा कि उनकी रिकवरी अच्छी तरह से हो रही है और उनका ऑफ-सीजन सुचारू रूप से चला गया है, उन्होंने कहा कि ग्रैंड स्लैम में प्रतिस्पर्धा करने के लिए

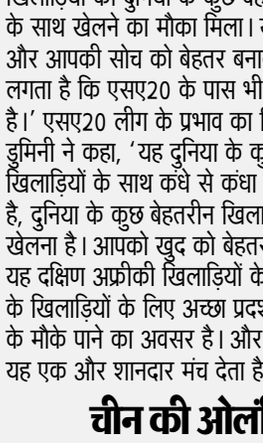

खिलाड़ियों को 'अत्यधिक प्रतिस्पर्धी स्थिति' में होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'फिलहाल, मैं अभी तक उस सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नहीं पहुंची हूं जो मैंने अपने लिए तय की है।' 'झेंग ने इस वापसी को 'अविश्वसनीय रूप से कठिन' बताया। झेंग ने कहा, 'मेलबर्न मेरी भाग्यशाली जगह है, जहां मैंने अपना पहला ग्रैंड स्लैम मेन ड्रॉ मैच जीता और जहां मुझे अपना सबसे अच्छा अनुभव मिला। मेरा इस जगह से एक खास रिश्ता है, और मैं मेलबर्न पाक में अपना नया सीजन शुरू करने के लिए बहुत उत्सुक थी। झेंग 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचीं, जहां वह आर्यना सबालेंका से हार गईं। विंबलडन में पहले दौर से बाहर होने के बाद पिछले जुलाई में उनकी कोहनी की सर्जरी हुई थी। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने चाइना ओपन में वापसी की कोशिश करने से पहले यूएस ओपन और कई अन्य टूर्नामेंट छोड़ दिए, लेकिन चोट के दोबारा होने के कारण तीसरे दौर के मैच के तीसरे सेट में उन्हें रिटायर होना पड़ा।

● ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी रेसलिंग चैंपियनशिप में दिखी दमदार कुश्ती

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के पहलवानों का शानदार प्रदर्शन

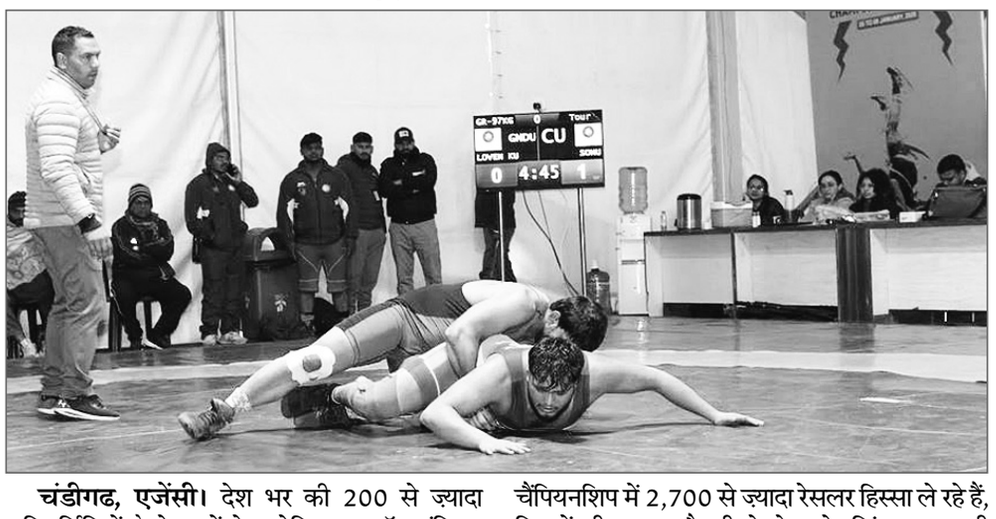

चंडीगढ, एजेंसी। देश भर की 200 से ज़्यादा यूनिवर्सिटियों के रेसलरों ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज़ की देखरेख में और चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित ऑल-इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी रेसलिंग ग्रीको-रोमन और फ्रीस्टाइल चैंपियनशिप 2025-26 में ताकत, कौशल और सहनशक्ति का शानदार प्रदर्शन किया। पांच दिन तक चलने वाली इस नेशनल चैंपियनशिप में 2,700 से ज़्यादा रेसलर हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें फ्रीस्टाइल और ग्रीको-रोमन रेसलिंग स्टाइल की 20 वेट कैटेगरी में गुरुवार को चौथे दिन भी मुकाबले जारी रहे। अब तक 1,500 से ज़्यादा मुकाबले हो चुके हैं। इस प्रतिष्ठित नेशनल स्तर की चैंपियनशिप में सम्पूर्ण भारत से रेसलिंग टैलेंटज़बरदस्त परफॉर्मेंस दे रहे हैं। पहले दिन, ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट, राजीव गांधी खेल रत्न और पद्म श्री और अर्जुन अवॉर्ड विजेता योगेश्वर दत्त मुख्य अतिथि तथा प्रोफेशनल कबड्डी खिलाड़ी और अर्जुन अवॉर्ड विजेता मनजीत छिल्लर विशिष्ट अतिथि के रूपमें उपस्थित थे।

एकतरफ़ा मुकाबले में, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के कपिल दलाल ने बीएमयू,हरियाणा के साहिल को 15-7 पॉइंट्स से हराकर 60 किग्रा ग्रीको रोमन कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता। एलपीयू ,पंजाब के शुभम शर्मा और डीआरएसपीएम, झारखंड के अभिषेक कुमार को अपने-अपने मुकाबलों में ब्रॉन्ज़ मेडल से ही संतोष करना पड़ा। एक और एकतरफ़ा फ़ाइनल मुकाबले में, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के दीपांशु ने पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के सचिन को 10-0 से हराकर 65 किग्रा वर्ग में फ़्रीस्टाइल कैटेगरी में गोल्ड जीता। इसी भर वर्ग कैटेगरी में, एमडीयू, हरियाणा के रोहित ने भारती विद्यापीठ यूनिवर्सिटी महाराष्ट्र के आदर्श को 11-0 पॉइंट्स से हराकर ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। एक रोमांचक फ़ाइनल मुकाबले में, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के पारस ने एमएसबीयू, राजस्थान के अंकित को 11-8 पॉइंट्स से हराकर 79 किग्रा फ़्रीस्टाइल कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता। इसी वेट कैटेगरी में, सिंघानिया यूनिवर्सिटी के विजय और सीबीएलयू , हरियाणा के अमित ने ब्रॉन्ज़ मेडल जीते।

बर्फ़ बेचने वाले के बेटे ने जीता गोल्ड मेडल: भाई को खोया, पिता का सहारा बने

नई दिल्ली, एजेंसी। जब कोलकाता की गलियों में एक साधारण सा युवक पिता के साथ ब्लड बैकों तक बर्फ़ पहुंचाता है, तब शायद ही कोई सोच सकता है कि वही शख्स भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर पदक जीतने का

सपना देख रहा है। लेकिन यही हैं राजा दास। एक साधारण परिवार से निकलकर असाधारण मुकाम तक पहुंचने वाले भारत के पेंचक सिलाट चैंपियन। 33 वर्षीय राजा दास जब मैट पर उतरते हैं तो उनके वार सिर्फ प्रतिद्वंद्वी पर नहीं, बल्कि गरीबी, संघर्ष और हालात पर भी पड़ते हैं।

हथियारों की कोरियोग्राफी से मार्शल आर्ट तक- राजा दास को बचपन से ही मार्शल आर्ट का शौक था, लेकिन कराटे और ताइक्वांडो उन्हें आकर्षित नहीं करते थे। उनका झुकाव हथियारों की कोरियोग्राफी की ओर था।

फीफा वर्ल्ड कप 2026:

फीफा का वीडियो कंटेंट पार्टनर बना टिकटॉक

ब्राजील टूर्नामेंट से पहले खेलेगा दो मैत्री मैच

जिनेवा, एजेंसी। फीफा ने इस करार की कीमत, निविदा प्रक्रिया या अन्य प्रतिस्पर्धी बोलीदाताओं का विवरण साझा नहीं किया। इससे पहले 2022 कतर विश्व कप में 'यूट्यूब' का एक सीमित प्रायोजन समझौता हुआ था जिसमें क्रिएटर्स को विशेष अनुमति मिली थी। फुटबॉल की संचालन संस्था फीफा ने 11 जून से 19 जुलाई तक चलने वाले पुरुष फुटबॉल विश्व कप में सोशल मीडिया पर वीडियो कंटेंट के लिए 'टिकटॉक' को अपना प्रमुख प्लेटफॉर्म चुना है। इस साझेदारी के अंतर्गत 'कंटेंट क्रिएटर्स' को 48 टीम वाले विश्व कप में विशेष अनुमति मिलेगी। यह टूर्नामेंट 16 शहरों में आयोजित होगा। इनमें अमेरिका के 11, मेक्सिको के तीन और कनाडा के दो शहर शामिल हैं। फीफा ने बताया कि विश्व कप के प्रसारण अधिकार रखने वाले ब्रॉडकास्टर टिकटॉक ऐप पर बने एक विशेष 'हब' के जरिए 104 मैच के कुछ हिस्सों का लाइव प्रसारण कर सकेंगे। अमेरिका में टिकटॉक के 17 करोड़ से अधिक यूजर हैं। फीफा ने कहा, 'इसके अलावा बड़ी संख्या में क्रिएटर्स को फीफा के 'आर्काइव' फुटेज का इस्तेमाल और इन्हें साथ में बनाने का मौका भी मिलेगा।'

अमेरिका में फ्रांस और क्रोएशिया से मैत्री मैच खेलेगा ब्राजील

ब्राजील फुटबॉल टीम इस साल होने वाले विश्व कप की तैयारी के अंतर्गत अमेरिका में फ्रांस और क्रोएशिया के खिलाफ मैत्री मैच खेलेगी। पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील 11 जून से 19 जुलाई के बीच होने वाले विश्व कप में अपने अभियान की शुरूआत 13 जून को मोरक्को के खिलाफ करेगी। फिर टीम का सामना छह दिन बाद फिलेडेल्फिया में हैती से होगा। ब्राजील 24 जून को फ्लोरिडा के मियामी गार्डन्स में स्कॉटलैंड के खिलाफ ग्रुप चरण का समापन करेगी।

अर्जुन एरीगैसी बने शतरंज के तीनों फॉर्मेट में देश के नंबर एक खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अर्जुन एरीगैसी भले ही फीडे कैंडिडैट में बनाने से चूक गए हो पर विश्व रैपिड और ब्लिट्ज़ शतरंज में उन्होने दो पदक अपने नाम करते हुए विश्वनाथन आनंद के एक ही बार में दो पदक हासिल करने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है हालांकि आनंद नें रैपिड में स्वर्ण और ब्लिट्ज़ में कांस्य जीता था जबकि अर्जुन नें दोनों ही कांस्य पदक हासिल किया , हालांकि आनंद के बाद उन्होने अब एक और कारनामा किया है वह है तीनों फॉर्मेट में देश का नंबर एक खिलाड़ी बनने का । अर्जुन नें ताजा जारी हुई विश्व रैंकिंग में क्लासिकल में 2775 अंको के साथ विश्व में पाँचवाँ, 2746 अंको के साथ रैपिड में विश्व में तीसरा और 2777 अंको के साथ सातवाँ स्थान हासिल कर लिया है और इसके साथ अब अर्जुन हर प्रारूप में देश के नंबर एक खिलाड़ी बन गए है । रैपिड में

विस्वनाथन आनंद 13वें और गुकेश 19 वें नंबर के खिलाड़ी है जबकि ब्लिट्ज़ में अर्जुन के बाद आनंद 17वें और निहाल सरीन 20वें नंबर के खिलाड़ी है । विश्व और ग्रांड स्विस में रहे थे असफल - अर्जुन को भविष्य के विश्व चैम्पियन बनने का दावेदार माना जाता है पर वह पिछले दो बार से फीडे कैंडिडैट में जगह बनाने से चूक रहे है , उम्मीद है शतरंज रैपिड और ब्लिट्ज़ में उनके यह पदक उन्हे एक नयी दिशा प्रदान करेंगे , इस वर्ष होने वाले शतरंज ओलंपियाड में भारतीय टीम में उनका महत्वपूर्ण स्थान होगा ।

ट्रेविस हेड और स्कॉट बोलैंड बीबीएल नहीं खेलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में इंग्लैंड को एशेज सीरीज में 4-1 से रौंदने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम के प्रमुख खिलाड़ी देश में चल रही बिग बैश लीग (बीबीएल) में हिस्सा लेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इसकी पुष्टि की है। हालांकि ट्रेविस हेड और स्कॉट बोलैंड बीबीएल में नहीं खेलेंगे। हेड 629 रन बनाकर सीरीज के श्रेष्ठ स्कोरर रहे, जबकि बोलैंड ने 159.5 ओवर की गेंदबाजी की थी और 20 विकेट लिए थे। दोनों खुद को बीबीएल से दूर रखेंगे। बिग बैश लीग में लौटने वाले खिलाड़ियों में एलेक्स कैरी (एडिलेड स्ट्राइकर्स), ब्रेंडन डॉगेट (मेलबर्न रेनेगेड्स), जोश इंग्लिस (पर्थ स्कॉर्चर्स), उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन (ब्रिस्बेन हीट), टॉड मर्फी और स्टीव स्मिथ (सिडनी सिक्सर्स), जेक वेदराल्ड और ब्यू वेबस्टर (होबार्ट हरिकेंस) का नाम शामिल है। सभी 10 जनवरी से अपनी-अपनी टीमों के लिए उपलब्ध रहेंगे। माइकल नेसर 14 जनवरी को ब्रिस्बेन हीट में शामिल होंगे, जबकि मिचेल स्टार्क 16 जनवरी को सिडनी सिक्सर्स में वापस शामिल होंगे। स्कॉट बोलैंड और ट्रैविस हेड सभी पांच एशेज टेस्ट मैच खेलने के बाद बीबीएल के लिए नहीं लौटेंगे। कैमरन ग्रीन भी पीठ दर्द से रिकवर कर रहे हैं, इस वजह से उपलब्ध नहीं हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बताया कि एशेज में हिस्सा लेने वाले सभी खिलाड़ी फिट होने के लिए अलग-अलग प्लान फॉलो करेंगे और आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की तैयारी करेंगे। बिग बैश लीग्स के कार्यकारी प्रबंधक, एलिस्टेयर डॉबसन ने कहा, 'बीबीएल 15 सीजन में शानदार क्रिकेट देखने को मिला है। फैंस का अनुभव भी शानदार रहा है। हम बहुत खुश हैं कि एशेज सीरीज जीतने के बाद कल रात से कई ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट खिलाड़ी लीग में लौट रहे हैं। बीबीएल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का हम शुक्रिया करते हैं।

गायकवाड़ ने रचा इतिहास

विजय हजारे ट्रॉफी में सबसे ज्यादा शतक बेवन-कोहली भी छूटे पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। ऋतुराज गायकवाड़ ने 50 ओवर के फॉर्मेट में शानदार फॉर्म जारी रखी और गुरुवार (8 जनवरी) को गोवा के खिलाफ महाराष्ट्र के आखिरी लीग स्टेज मैच में अपना 20वां लिस्ट ए शतक लगाकर इतिहास रचा। वह विजय हजारे ट्रॉफी में सबसे ज्यादा शतक के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। उनसे ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी माइकल बेवन और भारत के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली पीछे छूट गए हैं। पहले ही नॉकआउट में पहुंचने की दौड़ से बाहर हो चुकी महाराष्ट्र की टीम ने सिर्फ दो रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। नंबर पांच पर बल्लेबाजी करते हुए गायकवाड़ ने अकेले ही मोर्चा संभाला और अपनी शानदार सेंचुरी की मदद से टीम को 50 ओवर में सात विकेट पर 249 रन के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

गायकवाड़ का लिस्ट ए औसत 58.83 हो गया

पारी में नाबाद रहने के बाद गायकवाड़ का लिस्ट ए औसत 58.83 हो गया। कम से कम 50 पारी खेलने वाले बल्लेबाजों में उनसे बेहतर किसी बल्लेबाज का औसत नहीं है। वह ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज माइकल बेवन के 57.86 के औसत से आगे निकल गए।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर/इलेक्ट्रिक लोको शेड, उत्तर रेलवे, लुधियाना के लिए और भारत के राष्ट्रपति की ओर से **ई–निविदाएं नं. 2025-26-12** आमंत्रित की जाती हैं। निविदाकर्ता अपने मूल/संशोधित निविदा तिथि **03.02.2026 को 15.00 बजे** तक प्रस्तुत कर सकते हैं। इन निविदाओं के लिए मैनुअल प्रस्ताव मान्य नहीं है और ऐसे किसी भी मैनुअल प्राप्त प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। निविदाकर्ता निविदा प्रपत्र की लागत और बयाना राशि के भुगतान करने के लिए केवल आई.आर.ई.पी.एस. पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन साधनों के माध्यम जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड व क्रेडिट कार्ड से भुगतान कर सकते हैं। मैन्युअल भुगतान जैसे डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, जमा रसीदों व एफ.डी.आर. आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं है।

टेंडर संख्या	कार्यों का विवरण	अनुमानित लागत (रु.)	टेंडर की कीमत (रु.)	निविदा समापन तिथि व समय	बयाना राशि (रु.)	कार्य की अवधि	टेंडर खुलने की तिथि एवं समय	वेबसाईट
2025-26-12	WAP-7 और WAG-9 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के कैब में थर्मल इंसुलेशन की सप्लाई, इंस्टॉलेशन और कमीशनिंग।	2,18,81,920/-	0	03.02.2026 15:00 बजे तक	2,59,400/-	18 महीने	03.02.2026 15:00 बजे के बाद	www.ireps.gov.in

सं. Tender notice No. 230-Elect/TRS/LDH/WC/Thermal insulation/2025-26/12 दिनांक:- 09.01.2026 108/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

न्यूज डायरी

हरियाणा के मुक्केबाजों को उपलब्ध होंगी अत्याधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। सिविल सचिवालय चंडीगढ़ में आज हुई अहम बैठक में खेल विभाग, हरियाणा और मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्टस के अधीन भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के बीच रोहतक के सेक्टर-6 स्थित राजीव गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में बॉक्सिंग के साई नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के 20 वर्षों के लिए विस्तार को लेकर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर सहमति बनी।

इस एमओयू के तहत खेल विभाग हरियाणा द्वारा रोहतक के राजीव गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में नेशनल बॉक्सिंग सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के संचालन हेतु आवश्यक भूमि और आधारभूत स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा इस सेंटर के लिए आधुनिक ढांचागत सुविधाएं, अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल उपकरण, उच्च गुणवत्ता की ट्रेनिंग व्यवस्था तथा अनुभवी और प्रशिक्षित कोचिंग स्टाफ उपलब्ध कराया जाएगा।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए खेल विभाग हरियाणा के प्रधान सचिव श्री विजय सिंह दहिया ने कहा कि यह नेशनल बॉक्सिंग सेंटर ऑफ एक्सीलेंस प्रदेश के उभरते और प्रतिभावान मुक्केबाजों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जिससे भारत को अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिताओं में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

उन्होंने बताया कि एमओयू की अवधि 20 वर्ष निर्धारित की गई है, जिसमें 10 वर्षों के पश्चात इसकी समीक्षा कर आवश्यकतानुसार संशोधन एवं पुनरीक्षण किया जाएगा, ताकि समय की जरूरतों और खेल विज्ञान में हो रहे नवाचारों के अनुरूप इस केंद्र को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। यह पहल हरियाणा को बॉक्सिंग के क्षेत्र में राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाएगी।

उन्होंने कहा कि इस नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना से हरियाणा के मुक्केबाजों को अत्याधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे भविष्य में ओलंपिक, एशियाई और विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रदर्शन और अधिक सशक्त होगा।

बैठक में खेल विभाग निदेशक श्री पार्थ गुप्ता, भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय निदेशक श्री डॉ. शिवम शर्मा, खेल विभाग के एडिशनल डायरेक्टर श्री अश्वनी मलिक डिप्टी डायरेक्टर श्री गौरव रावत एवं श्री अशोक कुमार उपस्थित रहे।

उत्तर भारत के आठ राज्यों की महिला साइकिलिस्ट दिखाएंगी "अस्मिता साइकलिंग लीग" में अपनी प्रतिभा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। उत्तर भारत के आठ राज्यों की महिला साइकिलिस्ट 'अस्मिता महिला साइकिलिंग लीग' में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। यह प्रतियोगिता 10 व 11 जनवरी को शाहाबाद (कुरुक्षेत्र) में आयोजित की जाएगी। हरियाणा राज्य साइकलिंग संघ के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रतियोगिता खेल मंत्रालय भारत सरकार, भारतीय खेल प्राधिकरण तथा भारतीय साइकलिंग महासंघ के सहयोग से आयोजित की जा रही है।

उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर एवं चंडीगढ़ से महिला साइकिलिस्ट भाग लेने के लिए शाहाबाद पहुंच चुकी हैं। प्रतियोगिता में सब जूनियर एवं जूनियर वर्ग की महिला साइकिलिस्टों के बीच रोमांचक मुकाबले होंगे। यह लीग महिला साइकिलिंग को प्रोत्साहित करने तथा युवा प्रतिभाओं को आगे लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

प्रदेश के प्रत्येक वर्ग की उन्नति के लिए कार्य कर रही है सरकार : कृष्ण बेदी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण बेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार राज्य के प्रत्येक वर्ग की उन्नति के लिए कार्य कर रही है। हर वर्ग की उन्नति के साथ ही प्रदेश विकसित होगा, जो देश के विकसित भारत की उन्नति में अपना योगदान होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने प्रदेश के हर कोने का समान रूप से विकास किया है, जो आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री आज जींद में माता मदानण मंदिर में आयोजित 14 वां वार्षिक उत्सव में बोल रहे थे।

श्री कृष्ण बेदी ने वाल्मीकि धर्मशाला एवं माता मदानण प्रबंध समिति के हॉल का शिलान्यास किया और हॉल निर्माण के लिए 11 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने माता मदानण मंदिर की नगर शोभा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

उन्होंने कहा कि धर्मशाला का निर्माण कार्य शुरू किया जाए, इस निर्माण कार्य को रुकने नहीं दिया जाएगा। सरकार धार्मिक, सामाजिक, विकासात्मक कार्यों को गति के साथ करवा रही है। इन धर्मशालाओं का प्रयोग देश के विकास के लिए कार्यों को शुरू करके किया जाना चाहिए, ताकि युवा वर्ग इन स्थानों पर कोई ना कोई स्कील को सीखकर नशे जैसी लत से दूर रहें।

घटिया गुणवत्ता की दवाओं को लेकर अधिकारी सतर्क रहें : आरती सिंह राव

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने स्वाथ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे घटिया गुणवत्ता की दवाओं को लेकर सतर्क रहें , अगर मानकों से कम गुणवत्ता की दवा की बिक्री की शिकायत मिले तो तुरंत कार्रवाई करें। उन्होंने आज 'अलमोन्ट- किड लेवेक्टीरिज़िन तथा मोंतेलुकास्ट सोडियम सिरप' ("Almont-Kid (Levocetirizine Dihydrochloride and Montelukast Sodium Syrup)" नामक दवा के एक बैच में एथिलीन ग्लाइकोल (EG) की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक पाए जाने पर तुरंत प्रतिबंधित करने के निर्देश दिए हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने खांसी की इस दवा में हानिकारक रसायन पाए जाने के मामले में प्रदेश में जनहित अलर्ट जारी करने के निर्देश देते हुए कहा है कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO), पूर्वी क्षेत्र, कोलकाता से प्राप्त आधिकारिक सूचना के आधार पर हरियाणा खाद्य एवं औषधि प्रशासन (FDA) ने एक दवा नमूने को मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पाया है।

आरती सिंह राव ने बताया कि "Almont-Kid (Levocetirizine Dihydrochloride और Montelukast Sodium Syrup)" नामक दवा के एक बैच में एथिलीन ग्लाइकोल (EG) की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक पाई गई है, जो स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। यह दवा बच्चों के उपयोग में लाई जाती है, इसलिए इसका जोखिम और भी गंभीर है।

आरती सिंह राव ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि इस बैच की दवा की बिक्री, वितरण, भंडारण, पर्ची पर लिखना और उपयोग तत्काल प्रभाव से पूर्णतः प्रतिबंधित किया जाता है। उन्होंने राज्य के सभी दवा विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं, वितरकों, अस्पतालों और चिकित्सकों को निर्देश दिए हैं कि वे इस दवा को तुरंत बाजार से हटाएं।

स्वास्थ्य मंत्री ने औषधि नियंत्रण विभाग को पूरे प्रदेश में निगरानी बढ़ाने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नागरिकों के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी।

हरियाणा खाद्य एवं औषधि प्रशासन के स्टेट ड्रग्स कंट्रोलर श्री ललित कुमार गोयल ने बताया कि उक्त प्रतिबंधित दवा का बैच नंबर AL-24002, निर्माण तिथि जनवरी 2025 तथा समाप्ति तिथि दिसंबर 2026 है। यह दवा मैसर्स ट्राइडस रेमेडीज, प्लॉट नंबर D-42 व D-43, फेज-II, औद्योगिक क्षेत्र, हाजीपुर, वैशाली (बिहार) द्वारा निर्मित है।

मेहनतकश को आर्थिक व सामाजिक संरक्षण सुनिश्चित करेगा विकसित भारत जी राम जी कानून : डॉ. अरविंद शर्मा

- देश में सबसे अधिक लाभ हरियाणा के श्रमिकों को, सालाना 10 हजार रुपये का फायदा
- मनरेगा खामियों से भरा ढांचा, बिना सुधार ढोना श्रमिकों व राष्ट्र के लिए नुकसानदायक
- भ्रष्टाचार के खात्मे और शोषण रोकने का सशक्त माध्यम बनेगा जी राम जी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विकसित भारत जी राम जी कानून के माध्यम से देश के प्रत्येक मेहनतकश को आर्थिक एवं सामाजिक संरक्षण देना सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मनरेगा का खामियों से भरा ढांचा देश और श्रमिकों दोनों के लिए अहितकारी था, जिसकी जगह जी राम जी कानून भ्रष्टाचार के खात्मे और श्रमिकों के शोषण को रोकने का प्रभावी माध्यम बनेगा।

शुक्रवार को सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा जींद के लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में पत्रकारों से संवाद कर रहे थे। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष तेजेन्द्र ढुल एवं विधायक देवेन्द्र चतुर्भुज अत्रि भी उपस्थित रहे। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प की प्राप्ति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सहकारिता, ग्रामीण विकास, उद्योग, विज्ञान एवं खेल सहित सभी क्षेत्रों में देश निरंतर प्रगति कर रहा है।

उन्होंने कहा कि हर गरीब को रोजगार उपलब्ध कराने और उसकी गरिमा बढ़ाने के उद्देश्य से ग्रामीण विकास का एक नया ढांचा तैयार किया गया है, जो महात्मा गांधी की भावना के अनुरूप तथा राम राज्य की संकल्पना को साकार करने के लिए लाया गया है। विकसित भारत जी राम जी कानून को लेकर कांग्रेस भ्रम फैलाकर मनरेगा की उन खामियों को छिपाने का प्रयास कर रही है, जिनसे श्रमिकों के साथ-साथ देश को भी नुकसान हो रहा था।

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि मनरेगा के तहत श्रमिकों को 100 दिन का रोजगार मिलता था, जबकि जी राम जी कानून में 125 दिनों के गारंटी रोजगार का प्रावधान किया गया है, जिससे हरियाणा के श्रमिकों को सालाना लगभग 10 हजार रुपये का अतिरिक्त लाभ होगा। उन्होंने बताया कि तय समय में काम न मिलने पर बेरोजगारी भत्ता तथा मजदूरी के भुगतान में देरी होने पर अतिरिक्त राशि देने का प्रावधान भी नए कानून में किया गया है।

उन्होंने कहा कि पहले की तरह ग्राम सभा और ग्राम पंचायतें विकास योजनाएं तैयार करेंगी, जिनमें जल संरक्षण, ढांचागत विकास, आजीविका आधारित कार्य और आपदा प्रबंधन से जुड़े कार्य शामिल होंगे। ग्रामीण विकास को सुदृढ़ बनाने के लिए जी राम जी कानून के अंतर्गत तालाब, स्कूल, अस्पताल, आंगनबाड़ी केंद्र, सड़क जैसे आवश्यक ढांचे का निर्माण किया जाएगा। साथ ही गरीब परिवारों और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए स्किल सेंटर एवं हाट बाजार स्थापित किए जाएंगे।

डॉ. शर्मा ने कहा कि प्रदेश में रबी और खरीफ सीजन के दौरान किसानों को बुवाई एवं कटाई के समय श्रमिकों की कमी का सामना करना पड़ता था। इसे ध्यान में रखते हुए नए कानून में राज्य सरकार को यह अधिकार दिया गया है कि वह खेती के मौसम में, जब श्रमिकों की अधिक आवश्यकता हो, तब अधिकतम 60 दिनों तक जी राम जी कानून के तहत चल रहे कार्यों को स्थगित कर सके। इससे खेतों में श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी और श्रमिकों को 125 दिनों की रोजगार गारंटी के अतिरिक्त 60 दिनों तक काम करने का अवसर भी मिलेगा।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि जी राम जी कानून के तहत देश में प्रत्येक श्रमिक को औसतन 7,180 रुपये का लाभ होगा, जबकि हरियाणा में पात्र श्रमिकों को सालाना 10 हजार रुपये का अतिरिक्त लाभ मिलेगा, क्योंकि हरियाणा देश में सर्वाधिक न्यूनतम मजदूरी 400 रुपये प्रतिदिन प्रदान कर रहा है। नया कानून मनरेगा में मौजूद खामियों, फर्जी कर्मचारियों, डुप्लीकेट जॉब कार्ड और फर्जी भुगतान जैसी समस्याओं से श्रमिकों एवं राष्ट्र को होने वाले नुकसान से बचाएगा।

उन्होंने कहा कि बायोमेट्रिक हाजिरी के माध्यम से केवल पात्र श्रमिकों को भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे फर्जी भुगतान और डुप्लीकेट जॉब कार्ड की समस्या का स्थायी समाधान होगा। विकसित भारत जी राम जी कानून उन वास्तविक श्रमिक लाभार्थियों का समर्थन करता है, जिन्हें पिछली सरकारों के दौरान वंचित किया गया था। प्रत्येक परियोजना की जियो-टैगिंग एवं सैटेलाइट इमेजरी से फर्जी परियोजनाओं का पंजीकरण संभव नहीं होगा।

उन्होंने आगे कहा कि मनरेगा में जहां मजदूरी का भुगतान 15 दिनों में किया जाता था, वहीं विकसित भारत जी राम जी कानून के अंतर्गत मजदूरी का भुगतान साप्ताहिक आधार पर या कार्य पूर्ण होने के अधिकतम 15 दिनों के भीतर करना अनिवार्य किया गया है।

जनता की सुरक्षा सर्वोपरि, लापरवाही बर्दाश्त नहीं - मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने राज्य में कानून-व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया है कि अपराध नियंत्रण में लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन थानों के अंतर्गत अपराध पर प्रभावी नियंत्रण नहीं होगा, वहां के संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर उनके खिलाफ डिमोशन जैसी कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को फरीदाबाद में बजट पूर्व परामर्श बैठक के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह बात वह पहले भी स्पष्ट कर चुके हैं कि हरियाणा पुलिस एक सशक्त और सक्षम बल है, लेकिन यदि कहीं अपराध या नशे का अवैध कारोबार बढ़ रहा है, तो इसके लिए संबंधित एसपी और थाना प्रभारियों को गंभीरता से आत्ममंथन करना होगा। समय-समय पर बैठकर स्थिति की समीक्षा करना, समस्याओं की जड़ तक पहुंचना और उनके ठोस समाधान निकालना अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि जब आम नागरिक, विशेषकर महिलाएं, किसी क्षेत्र में अपराध या अवैध गतिविधियों की शिकायत करती हैं, तो पुलिस और प्रशासन का कर्तव्य है कि तुरंत और प्रभावी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

श्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपराध और नशे के खिलाफ अभियान को और अधिक सख्ती से चलाया जाए, ताकि जनता को सुरक्षित माहौल मिल सके और प्रदेश में सुशासन सुनिश्चित हो।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

- कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं एवं आम नागरिकों को महिला सुरक्षा, अधिकारों, स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण से संबंधित विषयों पर जागरूक करना रहा
- पिछले तीन वर्षों में लिंगानुपात सुधार में उल्लेखनीय योगदान देने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को किया गया सम्मानित

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचकूला द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस, सेक्टर-1, पंचकूला में एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं एवं आम नागरिकों को महिला सुरक्षा, अधिकारों, स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण से संबंधित विषयों पर जागरूक करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचकूला से संयुक्त निदेशक श्रीमती राजबाला कटारिया तथा गेस्ट ऑफ़ ऑनर के रूप में डॉ. पूनम रमण उपस्थित रहीं।

महिला एवं बाल विकास विभाग पंचकूला से जॉइंट प्रोजेक्ट कंसलटेंट डॉ श्वेता भादू ने पोषण अभियान तथा बेटी बचाओ -बेटी पढ़ाओ पर कार्यशाला में उपस्थित महिलाओं को जागरुक करते हुए विस्तृत चर्चा की तथा महिलाओं का उत्साहवर्धन किया ।कार्यशाला के दौरान विभिन्न विभागों से आए अनुभवी रिसोर्स पर्सन्स द्वारा अपने व्याख्यानों के माध्यम से प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। कार्यक्रम के अंतर्गत सचिन कपूर द्वारा चेयर योग सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने महिलाओं को विभिन्न योग आसनों के बारे में जानकारी दी एवं नियमित योग के लाभ बताए।

जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण से श्रीमती रेनू माथुर ने महिलाओं को उपलब्ध निःशुल्क कानूनी सेवाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग से डॉ. संगीता सिंघल ने सर्वाइकल कैंसर एवं ब्रेस्ट कैंसर से संबंधित लक्षण, बचाव एवं समय पर जांच के महत्व पर प्रकाश डाला। डाइटिशियन श्रीमती कविता द्वारा महिलाओं को पौष्टिक एवं संतुलित आहार के बारे में जागरूक किया गया। डॉ. अरुणदीप ने पीसी-पीएनडीटी अधिनियम पर चर्चा करते हुए इसके उद्देश्य एवं सामाजिक महत्व को समझाया। सार्थक स्कूल की अध्यापिका श्रीमती जसलीन कौर द्वारा जेंडर डिस्क्रिमिनेशन विषय पर विचार साझा किए गए। महिला विकास निगम से श्रीमती कमलेश ने महिलाओं के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। वहीं पुलिस विभाग से श्रीमती राजेश कुमारी ने महिला सुरक्षा पर बल देते हुए कानून एवं सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचकूला के अधिकारी, कर्मचारी, सुपरवाइजर्स एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दी गईं, जिनमें गीत, संगीत, नृत्य एवं नाट्य प्रस्तुति शामिल रही, जिन्हें उपस्थित जनसमूह ने सराहा। इस अवसर पर पिछले तीन वर्षों में लिंगानुपात सुधार में उल्लेखनीय योगदान देने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया, साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रस्तुति देने वाली प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया।

अभ्यर्थियों की सहायता हेतु पुलिस भर्ती पर अध्यक्ष हिम्मत सिंह ने की पहल

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष श्री हिम्मत सिंह ने पुलिस विभाग की भर्ती प्रक्रिया को लेकर अभ्यर्थियों द्वारा उठाए जा रहे विभिन्न प्रश्नों एवं समस्याओं पर आज विस्तृत रूप से स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा सभी निर्णय विज्ञापन में निर्धारित नियमों एवं शर्तों के अनुरूप लिए गए हैं और सभी अभ्यर्थियों पर समान रूप से लागू होंगे।

आयु में छूट एवं आयु गणना को लेकर स्थिति स्पष्ट करते हुए श्री हिम्मत सिंह ने बताया कि आयु में छूट केवल विज्ञापन संख्या 14/2024 के अभ्यर्थियों (पूर्व सैनिक सहित) के लिए ही मान्य है। इस विज्ञापन के अंतर्गत आयु की गणना 01.09.2024 को आधार मानकर की जाएगी। वहीं विज्ञापन संख्या 01/2026 के लिए आयु की गणना 01.01.2026 के अनुसार की जाएगी। नए अभ्यर्थी को आयु संबंधी छूट विज्ञापन में निर्धारित श्रेणियों एवं शर्तों के अनुसार ही देय होगी।

शारीरिक मानकों (Physical Standards) के संबंध में उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम ऊंचाई सामान्य वर्ग में 158 सेंटीमीटर तथा आरक्षित वर्ग में 156 सेंटीमीटर निर्धारित है। महिला अभ्यर्थियों के लिए दौड़ की दूरी 1 किलोमीटर, जिसे 6 मिनट में पूरा करना अनिवार्य है।

पुरुष अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम ऊंचाई सामान्य वर्ग में 170 सेंटीमीटर तथा आरक्षित वर्ग में 168 सेंटीमीटर निर्धारित है। पुरुष अभ्यर्थियों के लिए दौड़ की दूरी 2.5 किलोमीटर, जिसे 12 मिनट में पूरा करना होगा। पूर्व सैनिक (ESM) अभ्यर्थियों के लिए दौड़ 1 किलोमीटर निर्धारित है, जिसे 5 मिनट में पूरा करना अनिवार्य होगा।

सीने (Chest) के मापदंडों को लेकर श्री हिम्मत सिंह ने बताया कि पुरुष अभ्यर्थियों के लिए सामान्य वर्ग में सीना 83 सेंटीमीटर बिना फुलाए तथा 4 सेंटीमीटर फुलाव अनिवार्य है। आरक्षित वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों के लिए सीना 81 सेंटीमीटर बिना फुलाए तथा 4 सेंटीमीटर फुलाव निर्धारित है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पीएसटी (Physical Standard Test) में दौड़ से छूट केवल गर्भवती महिलाओं को दी जाएगी, लेकिन उन्हें नियुक्ति से पूर्व शारीरिक मानक परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। पूर्व सैनिक (ESM), आश्रित पूर्व सैनिक (DESM) एवं डिपेंडेंट डेड एक्स-सर्विसमैन (DDESM) से संबंधित पात्रता को स्पष्ट करते हुए आयोग अध्यक्ष ने कहा कि कोई भी व्यक्ति तभी ESM श्रेणी में आवेदन कर सकता है जब वह सेना अथवा संबंधित सेवा से आधिकारिक रूप से मुक्त (Discharged) हो चुका हो। DESM/DDESM के पात्रता प्रमाण-पत्र 12.01.2025 के बाद जारी या नवीनीकृत होने चाहिए और ये प्रमाण-पत्र विज्ञापन संख्या 14/2024 एवं 01/2026 दोनों के लिए अंतिम तिथि तक मान्य होंगे।

आरक्षण प्रमाण-पत्रों की वैधता को लेकर उन्होंने बताया कि BCA, BCB एवं EWS श्रेणी के प्रमाण-पत्र 01.04.2025 से लेकर आवेदन की अंतिम तिथि तक जारी होने चाहिए। पंचायती राज के लिए जारी BCA/BCB प्रमाण-पत्र तथा केंद्र सरकार की नौकरियों के लिए जारी OBC/EWS प्रमाण-पत्र इस भर्ती के लिए मान्य नहीं होंगे। EWS प्रमाण-पत्र निर्धारित परफॉर्मा में होना आवश्यक है। अनुसूचित जाति (DSC/OSC) के प्रमाण-पत्र 13.11.2024 के बाद जारी होने चाहिए, जबकि इससे पूर्व जारी पुराने प्रमाण-पत्र मान्य नहीं होंगे।

दिव्यांग (PWD) अभ्यर्थियों को लेकर श्री हिम्मत सिंह ने स्पष्ट किया कि पुलिस विभाग में दिव्यांग श्रेणी के लिए कोई पद आरक्षित नहीं हैं। श्रवण बाधित अभ्यर्थियों के मामले में यह अनिवार्य है कि अभ्यर्थी चिकित्सकीय रूप से पूर्णतः फिट हो। एक कान से सुनने वाले अभ्यर्थी पुलिस पदों के लिए पात्र नहीं माने जाएंगे।

मनरेगा को कमजोर करना गरीबों के अधिकारों पर सीधा हमला: कुमारी सैलजा

रतिया/टोहाना– अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा को कमजोर करना गरीबों, मजदूरों और ग्रामीण भारत के अधिकारों पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत' के दावों के बीच जमीनी सच्चाई यह है कि लोगों के हाथों से काम छीना जा रहा है और रोजगार की गारंटी को धीरे-धीरे खत्म किया जा रहा है। वे आज रतिया हलके में ग्रामीणों व कार्यकर्ताओं से बात कर रही थीं। उनके साथ डीसीसी प्रेजिडेंट जयपाल सिंह लाली, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरविंद शर्मा, मंगतराम लालवास, सुरेंद्र वरतिया, महिला प्रधान परमजीत कौर, सुधीर गोदारा सहित अन्य नेता थे।

कुमारी सैलजा ने कहा कि यूपीए सरकार के समय, जब देश के प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह थे, तब मनरेगा जैसी ऐतिहासिक योजना लागू की गई थी। इस योजना ने ग्रामीण गरीबों को 100 दिन के सुनिश्चित रोजगार की गारंटी दी और करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कोविड महामारी और आपदा के कठिन समय में भी मनरेगा गरीबों और मजदूरों के लिए सबसे बड़ा सहारा साबित हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा केंद्र सरकार ने मनरेगा को व्यवस्थित तरीके से कमजोर किया है। पहले जहां गांवों में काम मांगने पर रोजगार मिलता था, अब स्थिति यह है कि राज्य सरकारों को केंद्र के पास प्रस्ताव भेजने पड़ते हैं और उसके बाद भी काम मिलेगा या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं रहती। भुगतान में देरी और बजट में कटौती से मजदूरों का भरोसा तोड़ा जा रहा है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि महात्मा गांधी के नाम को हटाने की सोच भी उसी मानसिकता को दर्शाती है, जबकि महात्मा गांधी का सपना गांवों को आत्मनिर्भर बनाने का था और मनरेगा उसी सोच का सशक्त माध्यम था। उन्होंने बताया कि मनरेगा को बचाने और केंद्र सरकार की नीतियों की सच्चाई जनता के सामने लाने के लिए कांग्रेस ने सभी प्रदेशों में चरणबद्ध आंदोलन शुरू करने का निर्णय लिया है। इसी कड़ी में पहले चरण के तहत कल फतेहाबाद तथा सिरसा में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मनरेगा को कमजोर किए जाने के मुद्दे पर विस्तार से अपनी बात रखेंगी।

अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता - मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री ने फरीदाबाद में आयोजित बजट पूर्व परामर्श बैठक के दूसरे सत्र में किया स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ संवाद, स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने आगामी बजट को लेकर दिए अपने सुझाव
- प्रदेश के सभी नागरिक मेरा परिवार और परिवार के स्वास्थ्य की रक्षा करना मेरी सबसे बड़ी जिम्मेदारी - मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के लिए प्रदेश के आम बजट को लेकर बजट पूर्व परामर्श बैठकों की श्रृंखला लगातार जारी है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को फरीदाबाद के सूरजकुंड में आयोजित बैठक के दूसरे सत्र में स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ आगामी बजट को लेकर सार्थक संवाद किया। उन्होंने संवाद में शामिल प्रतिनिधियों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह बैठक प्रदेश में स्वास्थ्य क्षेत्र के भविष्य को दिशा देने का एक सशक्त अवसर है। उन्होंने सत्र के शुभारंभ में राजा नाहर सिंह को बलिदान दिवस पर श्रद्धापूर्वक नमन किया।

बैठक में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री विपुल गोयल, स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री श्री राजेश नागर, पूर्व मंत्री एवं बल्लभगढ़ के विधायक श्री मूलचंद शर्मा, बड़खल के विधायक श्री धनेश अदलखा, एनआईटी के विधायक श्री सतीश फागना व मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर तथा प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

विकसित भारत 2047 के संकल्प का ग्रोथ इंजन बनेगा हरियाणा

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, जिनके पास वित्त मंत्री का प्रभार भी है, ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश को 2047 में विकसित बनाने का संकल्प लिया है। उस संकल्प में हरियाणा देश का ग्रोथ इंजन बनेगा। बीते माह केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने पंचकूला में हरियाणा के विजन डॉक्यूमेंट 2047 को भी लॉन्च किया। उन्होंने कहा कि इस बार बजट में सभी वर्गों के सुझाव लिए गये है, जिससे यह बजट सरकार का न होकर प्रदेश के जनमानस का बजट होगा।

स्वास्थ्य क्षेत्र की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारा ध्येय

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस वर्ष स्वास्थ्य क्षेत्र को बजट-पूर्व परामर्श की प्राथमिकता में रखा गया है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य आम नागरिक के जीवन का आधार है। हरियाणा का प्रत्येक नागरिक मेरा परिवार है और इस परिवार के स्वास्थ्य की रक्षा करना मेरी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। सरकार का संकल्प है कि स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाएं केवल फाइलों तक सीमित न रहें, बल्कि ज़मीन पर प्रभावी रूप से दिखाई दे और अंतिम व्यक्ति तक उनका लाभ पहुंचे।

हेल्थ इंफ्रा, मानव संसाधन और सेवाओं को बनाया जाएगा सशक्त

मुख्यमंत्री ने कहा कि वही नीति प्रभावी होती है, जो स्वास्थ्य को सुविधा नहीं, बल्कि अधिकार के रूप में देखे। इसी दृष्टिकोण के तहत पिछले वर्ष स्वास्थ्य बजट में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष लक्ष्य स्वास्थ्य बजट को दो अंकों की वृद्धि तक ले जाने का है, जिससे हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर, मानव संसाधन और सेवाओं को और सशक्त किया जा सके।

मौजूदा वित्त वर्ष में स्वास्थ्य क्षेत्र खर्च हुए 6 हजार 711 करोड़

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि वर्ष 2025-26 के बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रावधानों पर अब तक 6 हजार 711 करोड़ 82 लाख रुपये खर्च किए जा चुके हैं। संकल्प पत्र के वायदे को पूरा करते हुए प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों में डायलिसिस की सुविधा निशुल्क उपलब्ध करवाई जा रही है।